इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 268, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

प्रसंगवश

शास्त्रीजी के जमाने में लागू MSP पर पुनर्विचार की जरूरत है..?

संजीव चोपड़ा

लाल बहादुर शास्त्री जून 1964 में जब प्रधानमंत्री बने थे उस दौर में देश के विभिन्न भागों में लगातार फसलों के बेकार होने से खाद्य संकट पैदा हो गया था और कृषि मंत्रालय को 'राजनीति की कब्र' माना जाता था। कृषि उपज घटकर 6.2 करोड़ टन प्रति वर्ष पर पहुंच गई था और भारत अमेरिकी पीएल-480 कार्यक्रम के तहत आने वाली खाद्य सामग्री पर पूरी तरह निर्भर हो गया था। शास्त्री के दो वरिष्ठ साथियों, जगजीवन राम और स्वर्ण सिंह ने कृषि मंत्रालय लेने से मना कर दिया तो शास्त्री ने सी. सुब्रह्मण्यम को फोन किया। बताया जाता है कि सुब्रह्मण्यम ने पूछा, 'मुझे क्यों?' इस पर शास्त्री ने जवाब दिया कि 'क्योंकि कोई तैयार नहीं हो रहा है।' कृषि मंत्रालय संभालते ही सुब्रह्मण्यम ने इस्पात मंत्रालय के अपने अनुभवों का इस्तेमाल करते हुए यह निष्कर्ष निकाला कि भारतीय कृषि में ठहराव की मूल वजह यह है कि 'किसानों को उनके प्रयासों का उचित और लाभकारी कीमत नहीं मिल रही थी।' वे यह देखकर हैरान थे कि सरकार अभी भी युद्धकाल वाली नीति चला रही है, जिसके तहत कंट्रोल और राशनिंग जारी थी और फसल उगाही की ऐसी व्यवस्था लागू थी जो प्राथमिक उत्पादनकर्ता को घाटा पहुंचाती थी।

सुब्रह्मण्यम ने प्रधानमंत्री के सचिव एल.के. झा की अध्यक्षता में एक कमिटी नियुक्त की और उसे 1964-65 के फसल वर्ष के लिए धान और गेहूं की 'उत्पादक कीमत' तय करने का काम सौंपा। अक्टूबर 1964 में शास्त्री के पूर्ण समर्थन से तैयार पहले कैबिनेट नोट में सुब्रह्मण्यम ने रबी और खरीफ फसलों की कीमतों में 15 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि का प्रस्ताव पेश किया। दूसरे मंत्रियों ने इसका विरोध किया। वैसे, 15 फीसदी की इस बड़ी वृद्धि से भी ज्यादा महत्वपूर्ण थी 1 जनवरी 1965 से 'कृषि मूल्य आयोग' (एपीसी) की स्थापना। इसका काम धान और गेहूं ही नहीं बल्कि मोटे अनाजों, दालों, तेलहन, गन्ना, कपास और जूट की कीमतों की नीति के बारे में निरंतर सलाह देना तय किया गया। इतने वर्षों में उसका दायरा और बढ़ा दिया गया और 'एपीसी' (अब 'सीएपीसी') अब 23 जिंसों के बारे में सलाह दे रहा है।

गांधीवादी अर्थशास्त्री एम.एल. दांतवाला को 'एपीसी' का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अपनी नई भूमिका में उन्हें किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन कीमतों (एमएसपी) की सिफारिश करनी थी ताकि वे नई टेक्नोलॉजी को अपना सकें, संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें और उत्पादकता बढ़ाएं। तब तक यह स्पष्ट हो चुका था कि सामुदायिक विकास वाले रास्ते की अपनी सीमाएं हैं। ज़रूरत थी सार्वजनिक वितरण सेवा के लिए प्रत्यक्ष उगाही के जरिए, या तेलहन और दलहन को कीमतों के समर्थन के जरिए ऊंचे आर्थिक लाभ और फसल उगाही की सरकारी गारंटी की। इस बीच, दांतवाला किसानों की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा की खातिर ज्यादा दखल और कीमत को स्थिर करने की जो वकालत कर रहे थे उसे वी.एम. दांडेकर ने चुनौती दे दी। उनका कहना था कि इस तरह की नीतियों से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र का स्वाभाविक विकास बाधित होगा। फिर भी, एमएसपी लागू किए जाने के पांच साल के अंदर भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक खामोश बदलाव आया। इस अवधि में भारत में अनाज उत्पादन 10.8 करोड़ टन पर पहुंच गया, जिसने खुद अपना पेट भरने की इस देश की क्षमता पर सभी संदेहों को खारिज कर दिया। किसानों ने नतीजा दे दिया था और भारत खाद्य सामग्री के मामले में आत्मनिर्भर से ज्यादा सक्षम हो गया था, जबकि जवान इतना मजबूत हो गया था कि 1971 में पश्चिमी तथा पूर्वी, दोनों मोर्चों पर लड़ाई में निर्णायक जीत हासिल कर सकता था और बांग्लादेश की स्थापना करवा सकता था।

तब तक कृषि मंत्रालय सबसे चहेता विभाग बन गया था। आज इसे शिवराज सिंह चौहान संभाल रहे हैं। 1980 तक यह कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) में तब्दील हो गया, क्योंकि भारत सरप्लस खाद्य उत्पादन करने लगा। लागत के मामले में किसानों के राजनीतिक शब्दकोश में तीन नये शब्द शामिल हो गए – A2, A2+FL और C2। A2 में बीज, खाद, रसायन, मशीन, सिंचाई और कार्यगत पूंजी, घिसाई और पट्टे की जमीन के किराए वगैरह पर पहले ही किए जा चुके खर्चे शामिल किए गए; A2+FL में परिवार के श्रम के रूप में आंकी गई कीमत को शामिल किया गया; C2 का विचार स्वामीनाथन दिया था, जब वे 2006 में राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष थे। इसमें A2+FL के अलावा अपनी ज़मीन के आंके गए किराये और दूसरी लागतों को शामिल किया गया। A2+FL में 50 फीसदी की वृद्धि का अर्थ था कि किसान और उसके परिवार ने खेत पर जो श्रम किया उसका मूल्य मजदूरों पर किए जाने वाले खर्च से 50 फीसदी ज्यादा आंका गया। यानी इसमें किसान परिवारों के पसीने के रूप में लागत को मान्यता दी गई।

'सीएसीपी' का काम आसान नहीं है। हर एक फसल में कई तरह के दावेदार होते हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को महंगाई की चिंता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किसानों की आमदनी दोगुनी करने की कोशिश में जुटा है। इन प्रतियोगी मांगों के बीच संतुलन लाना एक नाजुक मामला है। पेंच यह है कि किसानों की आमदनी बढ़नी चाहिए, लेकिन खाद्य सामग्री की कीमतें नहीं बढ़नी चाहिए।

आर्थिक उदारीकरण के बाद भारतीय कृषि का प्रारूप बदल गया है। अब यह अभावों वाली अर्थव्यवस्था नहीं रही। इसने उपभोक्ताओं की मांगों और बाज़ार में आए बदलावों को प्रतिबिंबित करना शुरू कर दिया है। गुलाटी के कार्यकाल में यह बदलाव आया. वर्ष 2000 के साथ 'टायर 1' और 'टायर 2' वाले शहरों के आसपास के किसान अनाजों की जगह डेरी, मवेशी, मछलीपालन, बागवानी आदि कमाऊ कृषि से ज्यादा आमदनी करने लगे। 'सीएसीपी' के वर्तमान अध्यक्ष विजय पॉल शर्मा इस पद पर अपने दूसरे कार्यकाल में हैं। उनके कार्यकाल में किसानों ने 'सीएसीपी' और 'एमएसपी' को वैधानिक आधार दिए जाने की मांग को लेकर कई प्रदर्शन किए हैं। मेरा मानना है कि 'सीएसीपी' या 'एमएसपी' को वैधानिक आधार दिए जाने पर ज़ोर देने से ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर (भंडारण, बाजार से जुड़ाव, कृषि औजारों के केंद्र, उधार की व्यवस्था, मूल्य संवर्द्धन, कीमतों में पारदर्शिता आदि) को मजबूत बनाने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। भारतीय कृषि ने शास्त्री के जमाने से आगे लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने जिन संस्थाओं की स्थापना की उन्हें समय के मुताबिक, विकास करना चाहिए। किसानों को सबसे अच्छी कीमतें मिलें, इस तरह के सिद्धांतों को जरूर आगे बढ़ाया जाए, लेकिन इसके साथ आधुनिक वास्तविकताओं के अनुरूप रणनीति और व्यवहार भी लागू किए जाएं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भारत और अर्जेंटीना ने दिया द्विपक्षीय सहयोग पर जोर

खनिज-व्यापार और निवेश के साथ लिथियम सप्लाई पर भी बातचीत

पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेवियर ने एग्रीकल्चर और स्पेस पर की चर्चा

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलई से मुलाकात की। राष्ट्रपति जेवियर ने पीएम मोदी को गले लगाकर स्वागत किया। दोनों नेताओं ने ब्यूनस आयर्स में डेलिगेशन लेवल पर बातचीत की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मोदी और जेवियर के बीच जरूरी खनिजों, व्यापार-निवेश, ऊर्जा, कृषि सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। दोनों देशों में लिथियम सप्लाई पर भी बातचीत हुई।

अर्जेंटीना के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लिथियम भंडार है। इससे पहले पीएम मोदी ने अर्जेंटीना के नेशनल हीरो और स्वतंत्रता सेनानी जनरल होसे डी सैन मार्टिन के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दक्षिण अमेरिकी देशों- अर्जेंटीना, चिली और पेरू को आजादी दिलाने वाले सैन मार्टिन को मुक्तिदाता भी कहा जाता है।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेवियर मिलई ने ट्रेड, सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर और स्पेस समेत कई अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने भारत-मर्कोसुर प्राइमरी ट्रेड एग्रीमेंट को आगे बढ़ाने के लिए अर्जेंटीना से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा।

दोनों नेताओं ने डिफेंस सेक्टर में भी सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने कहा कि कृषि सेक्टर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए अहम है। इसके लिए जल्द से जल्द कृषि पर जॉइंट एक्शन ग्रुप की बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। पीएम मोदी ने भारत की हेल्थ और मेडिसन सेक्टर में ताकत पर जोर दिया, खासकर हाई क्वालिटी वाली सस्ती दवाओं के प्रोडेक्शन पर। उन्होंने अर्जेंटीना से भारतीय दवाओं को बाजार में आसानी से लाने के लिए नियमों में बदलाव की मांग की, जिससे अर्जेंटीना के लोगों को सस्ती और जीवन रक्षक दवाएं मिल सकें। अर्जेंटीना ने भारतीय दवाओं के इंपोर्ट के लिए फास्ट क्लियरेंस की जानकारी दी। दोनों नेताओं ने एनर्जी और खनिज सेक्टर में सहयोग पर चर्चा की। पीएम मोदी ने भारत की बढ़ती ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों पर जोर देते हुए कहा कि अर्जेंटीना भारत का भरोसेमंद साझेदार बन सकता है। अर्जेंटीना के पास दुनिया के दूसरे सबसे बड़े शेल गैस भंडार हैं। इसके साथ ही लिथियम, तांबा और अन्य खनिजों के विशाल भंडार भी हैं।

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंधः मुख्यमंत्री

सरकार वनवासियों के साथ है, यह भावना जन-जन तक जानी चाहिए

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी।

कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है।

सामुदायिक आजीविका पर करें फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजीविका सबसे पहली जरूरत होती है। सामुदायिक आजीविका के साधनों पर फोकस कर जनजातियों की नकद आय के साधन बढ़ाने की दिशा में उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें शासन की योजना के तहत अधिक से अधिक दुधारू पशु (मुख्यतः गाय, भैंस) उपलब्ध कराए जाएं। इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातियों को कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की रोजगारमूलक योजनाओं से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि वनवासी वनोपजों पर विशेष रूप से आश्रित रहते हैं। इसलिए लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों में जनजातीय समुदायों को लाभ का बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए,इससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा।

शिवराज व खट्टर समेत छह चेहरे भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में

- संगठनात्मक अनुभव के साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण देखे जा रहे, केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव

समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 फीसदी राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

पांव भारी हुए हवाओं के
धान के खेत सोंधे सोंधे गमकने लगे .
खेतिहारिन ने कसा लुगरा
किसानी अंगड़ाई लेकर उठी .

बैल रह रह कर चमकने लगे .
नागर के नाखून खुरचेंगे गहरी लकीरें .
खेत सहमत हुए – बीज खोलेंगे खुद को
कल की हरेली के लिये .

झिपिर झिपिर झरने लगी मस्त बूंदें
कच्चे किनारे धसकने लगे ? .
गर्म दारु निथरने लगी आड़ में .
टुन्न बरगद हुआ
बूढ़ी जटाओं को धार धोने लगी .
नवा बछरू कूद रहा चौकड़ी
गैया की छपरी चुचुआने लगी .

मौसम हुआ जा रहा उस्ताद अमजद अली
सरोद बन कर आ ? बैठी नदी गोद में .
तर ब तर हवाओं ने कस दिये तार सारे
लहरें सधी ऊंगलियों सी लहराने लगीं .
बरसात अलमस्त छम छम छमकने लगी .
गबरू जवानी खेतों को मसलने लगी ....

– नवल शर्मा

बारिश-बाढ़ ने किया बुरा हाल, लोगों का जीना हुआ मुहाल

- हिमाचल में चंबा-मंडी जिले में बादल फटने से 5 पुल बहे
- अब तक 75 की मौत, छत्तीसगढ़ के सरगुजा में सड़के डूबीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा और मंडी जिले में बादल फट गया है। इससे राज्य में 5 पुल बह गए हैं। चंबा में कंघेला नाले पर बना पुल बह गया। वहीं, मंडी जिले की चौहार घाटी में एक वाहन-यातायात और तीन पैदल पुल बह गए। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। तब से लेकर 4 जुलाई तक बाढ़-लैंडस्लाइड की घटनाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है। 288 लोग घायल हैं। बादल फटने की घटनाओं में सबसे ज्यादा 14 मौतें मंडी जिले में हुई हैं। यहां 31 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य में आज भी तेज बारिश का रेड अलर्ट है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में शनिवार रात से तेज बारिश जारी है। सरगुजा की पॉश कॉलोनी से लेकर नीचली बस्तियों में पानी भर गया। वहीं, अंबिकापुर के कुंडला सिटी में दो से

तीन फुट तक पानी भर जाने से रोड पर खड़ी कारें आधी डूब गईं। झारखंड में शनिवार को तेज बारिश हुई। रामगढ़ जिले के महुआ टांगरी में सुबह के वक्त अवैध कोयला खदान धंस गई। इसमें 4 लोगों की मौत और 4 घायल हो गए। राज्य में सोमवार सुबह तक तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से बाढ़ के हालात हैं। तेज बारिश के कारण मंडला जिले में नर्मदा नदी उफान पर है। इधर, नरसिंहपुर को होशंगाबाद से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे पर मौजूद पुल ढह गया। महाराष्ट्र के नासिक में तेज बारिश का अलर्ट है। आज भी पूरे जिले में तेज बारिश हो रही है। इसके कारण गंगापुर डैम ओवरफ्लो है। शनिवार शाम बांध से गंगापुर की गोदावरी नदी में 6642 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। नदी किनारे मौजूद गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने के कई घटनाएं हुए हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 07 जुलाई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को लिखी चिट्ठी, दिए आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है।

साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3 बी के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को देखा है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह टाइप सीजेआई बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद बने संजीव खन्ना निवास में गए ही नहीं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं।

इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा। इस बारे में संपर्क करने पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने इसके लिए व्यक्तिगत हालात को जिम्मेदार बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन इससे पूरी तरह से अवगत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें पहले ही सरकार द्वारा सीमित अवधि के लिए किराए पर वैकल्पिक आवास आवंटित किया गया था। लेकिन लंबे समय से इस्तेमाल में न होने के चलते यह जगह रहने लायक नहीं है। अब वह इसे फिर से रहने योग्य बजाए जाने का इंतजार कर रहे हैं।

नीतिश और बीजेपी ने बिहार का कर दिया 'बंटाढार'

● पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका मर्डर कांड पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका मर्डर केस को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और सत्तारूढ़ भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दोनों ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। राहुल गांधी ने आज सुबह ट्वीट कर बिहार के लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सरकार को निशाने पर लिया है। राहुल गांधी ने लिखा, पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है - भाजपा और नीतिश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है - और सरकार पूरी तरह नाकाम। उन्होंने बिहार के लोगों से अपील करते हुए कहा, बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो।

मस्क ने राजनीतिक दल बनाया, नाम रखा- अमेरिका पार्टी

● कहा-रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों भ्रष्ट, देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि आप में 66 फीसदी लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था।

गड़करी ने पेश किया देश का फ्यूचर ट्रांसपोर्ट प्लान

शहरों में इलेक्ट्रिक रैपिड मास ट्रांजिट, हाइपरलूप कॉरिडोर की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के परिवहन ढांचे को बदलने का एक बड़ा प्रोजेक्ट पेश क्या है। इस योजना में टिकाऊ और आधुनिक तकनीक वाले

● दूरदराज के इलाकों में रोपवे व केबल-कार सिस्टम लाने का प्लान

परिवहन समाधानों पर जोर दिया गया है। एक इंटरव्यू में गडकरी ने कई नई योजनाओं के बारे में बताया। इनमें शहरों में इलेक्ट्रिक रैपिड मास ट्रांजिट, हाइपरलूप कॉरिडोर और दूरदराज के इलाकों में रोपवे और केबल-कार सिस्टम शामिल हैं। गडकरी ने कहा, हम इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। मास मोबिलिटी में एक क्रांति आने वाली है। उन्होंने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य को आकार देने में तकनीक, पहुंच और पर्यावरण की जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। मास मोबिलिटी का मतलब है, लोगों के लिए एक साथ यात्रा करने के बेहतर साधन उपलब्ध कराना। गडकरी ने नेशनल हाईवे नेटवर्क पर हर दिन 100 किमी हाईवे बनाने और 25,000 किमी दो लेन की सड़कों को चार लेन में बदलने का लक्ष्य दोहराया। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे 2013-14 में 91,287 किमी थे, जो अब बढ़कर 1,46,204 किमी हो गए।

इलेक्ट्रिक बसों में होंगी आधुनिक सुविधाएं

नागपुर में 135 सीटों वाली इलेक्ट्रिक बसों के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। ये बसें 120-125 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। इनमें प्रीमियम सीटिंग और एयर कंडीशनिंग जैसी सुविधाएं होंगी। ये बसें 30-40 मिनट में चार्ज हो जाएंगी। इन्हें दिल्ली-जयपुर और मुंबई-पुणे जैसे इंटरसिटी मार्गों पर चलाने से पहले ट्रायल किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि भारत का ग्रीन एनर्जी की ओर बदलाव तेजी से हो रहा है। टाटा, टोयोटा, हुंडई और महिंद्रा सहित 11 कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल वाहन बनाने के लिए सहमत हो गई हैं। ये वाहन इथेनॉल या मेथनॉल मिश्रण से चलेंगे। इन वाहनों का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल आदि) पर निर्भरता कम करना और उत्सर्जन को कम करना है। फ्लेक्स-फ्यूल वाहन एक से अधिक प्रकार के ईंधन से चल सकते हैं।

ब्रिटिश फाइटर जेट को ठीक करने पहुंचे 40 इंजीनियर

● टीम तय करेगी विमान की रिपेयरिंग यहीं होगी या नहीं, 23 दिन पहले इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। ब्रिटिश फाइटर जेट एफ-35 को ठीक करने ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम रविवार को भारत पहुंच गई है। टीम तय करेगी कि विमान की मरम्मत यहीं हो सकती है या वापस यूके भेजना होगा। पहले ब्रिटेन की इस टीम को 2 जुलाई को आना था। फाइटर जेट 14 जून की रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ रुपए का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। इसे दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है। एक्सपर्ट ने बताया था कि जेट को ठीक करने में ब्रिटेन की इंजीनियरिंग टीम की मदद लगेगी। ब्रिटिश सेवा में लाइटनिंग के नाम से जाना जाने वाला एफ-35 मॉडल फाइटर जेट का शॉर्ट टेक ऑफ/वर्टिकल लैंडिंग वैरिएंट है जिसे शॉर्ट-फील्ड बेस और एयर कैपेबल जहाजों से ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

श्रीनगर में मुहर्रम के जुलूस पर उमड़ पड़ा जनसैलाब

● एलजी मनोज सिन्हा भी हुए शामिल, इमाम हुसैन को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर (एजेंसी)। रविवार को श्रीनगर में हजारों शिया समुदाय के लोगों ने मुहर्रम के 10वें दिन (यौम-ए-आशूरा) पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में आशूरा जुलूस निकाला। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी शामिल हुए। मनोज सिन्हा ने जुलूस शुरू होने से पहले शहर के लाल बाजार इलाके में बोता कदल का दौरा किया। उन्होंने बोता कदल से शुरू होकर जदीबल इमामबाड़ा तक जाने वाले जुलूस में शोक मनाने वालों को पानी बांटा।

90 के हुए दलाई लामा, बोले- 130 साल जीना है

पीएम मोदी ने भेजा संदेश, प्रेम-करुणा का प्रतीक बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल के धर्मशाला में रविवार, 6 जुलाई को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर धर्मशाला स्थित त्सुगलाखंग मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु, तिब्बती समुदाय के लोग, बौद्ध भिक्षु और अंतरराष्ट्रीय अनुयायी एकत्र हुए। तिब्बती संगीत, नृत्य और पारंपरिक पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सिक्किम के धार्मिक मंत्री सोनम, हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे, आदि मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- 1.4 अरब भारतीयों की ओर से मैं परम पूज्य दलाई लामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वह प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन का प्रतीक हैं। इसके अलावा, अमेरिका के 3 पूर्व राष्ट्रपतियों, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जॉर्ज बुश का वीडियो संदेश भी चलाया गया, जिसमें वे दलाई लामा को

शांति का प्रतीक बताते नजर आए। उन्होंने दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं, जन्मदिन से एक दिन पहले शनिवार को दलाई लामा ने कहा था कि वह 130 साल या उससे अधिक जीवित रहना चाहते हैं। उनका उद्देश्य बौद्ध धर्म और तिब्बती समाज की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि बचपन से ही उन्हें करुणा के बोधिसत्व अवलोकितेश्वर से गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस होता है। दलाई लामा ने कहा कि वह हर सुबह अवलोकितेश्वर के बारे में सोचकर दिन की शुरुआत करते हैं।

तृतीय स्मृति दिवस पर विशेष

पत्रलेखन विधा ने साहित्य को कई ऐसे विलक्षण विद्वान दिए हैं। जिनकी गिनती अवश्य ही नभ में तारों को गिनने जैसा दूभर कार्य है। समाचार पत्रों के सबसे उच्चतम ओहदे संपादक तक पहुंचने वाले विद्वान भी इसी विधा से पोषित हुए। आज भी वे अपने कर्तव्यों का निर्वाह विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों में कर रहे हैं। यह बात केवल हम पत्र लेखन विधा की तो कर ही रहे हैं, लेकिन ऐसे कई स्वनाम धन्य पत्रलेखकों का भी स्मरण करने का नैतिक दायित्व हमें यही विधा देती है। ऐसे ही एक धूमकेतू के रूप में करीब चार दशकों से भी अधिक समय तक एक ही समाचार पत्र में नियमित पत्रलेखन कर अपनी विद्वत्ता का लोहा मनवाने वाले और सदा नीरा मां नर्मदा के तट पर बसे नेमावर को पूरे देश में विख्यात करने वाले जगदीश गुरुजी का स्मरण करते हुए मन बहुत व्यथित है। तीन साल पहले 7 जुलाई 2022 को यह कलम का पुजारी पत्रलेखक बिरादरी से अलविदा कह महाप्रयाण कर गया। मेरे लिए यह और दुःखद क्षण इसलिए था कि दूरभाष पर तो उनसे बात कर मैं स्वयं धन्य होता रहा, लेकिन प्रत्यक्ष मिलन की आस अधूरी रही जो टीस की तरह अब भी चुभ रही है। कहते हैं न यथा नाम तथा गुण। वे नेमावर में ही नहीं पूरे देश में अपने तख्ख्लुस 'गुरुजी' के नाम से कीर्ति पताका जरूर फहराते रहे, लेकिन उनके भीतर का 'जगदीश' हमेशा अपने आसपास के वातावरण को ठीक करने के लिए सदैव कर्म में लीन रहा। जन समस्याओं से लेकर शासन-प्रशासन को सच का आइना दिखाने में उन्होंने कभी कोताही तो की ही नहीं। मैंने बचपन से ही समाचार पत्रों में प्रकाशित पत्रों के कॉलम को देखना आरंभ कर दिया था। पत्रलेखन विधा से जुड़ाव तो बहुत बाद

अनुलोम-विलोम की मानिंद का पत्र लेखन था जगदीश गुरुजी का

में हुआ, लेकिन जिनके पत्रों ने सर्वाधिक प्रभावित किया, वे थे जगदीश गुरुजी। आपके जीवन के गवाक्ष में झांकने पर यह जानने का अवसर मिला कि स्व. श्री मूलचंद शर्मा कंपाउंडर के घर सन 1957 की 18 जुलाई को चौथे सुपुत्र का जन्म हुआ था। उनका नाम रखा गया जगदीश, जो देवास जिले के श्रेष्ठ पत्र लेखक तो बने ही, अपने कर्म से उन्होंने ऐसा व्यापक आभामंडल तैयार किया, जो उनके न रहने के तीन साल बाद भी पत्र लेखकों को प्रेरणा दे रहा है। श्री जगदीश शर्मा ने एमए हिंदी, राजनीति, अर्थशास्त्र तक शिक्षा ग्रहण की। शिक्षा विभाग में शिक्षक भी बने और उन्होंने अपना नाम ही 'जगदीश गुरुजी' रख लिया। सन 1978 से उन्होंने अपने पत्रलेखन की यात्रा आरंभ की। वे समस्यात्मक लेख भी नौकरी के साथ साथ लिखने लगे। कई नामचीन और स्थापित समाचार पत्र में उन्होंने अनेकोनेक ज्वलंत मुद्दे उठाए। वे घाट नीचे,कन्नौद-खातेगांव क्षेत्र में चर्चित तो हुए ही समूचे देश में पत्रलेखन का पर्याय भी बने। हमेशा लेखन में जुड़े रहने एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान का प्रतिफल भी उन्हें मिला। उन्हें वर्ष 2004 में उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से भी नवाजा गया। वर्ष 2004 में राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार उन्हें दिया। उनकी लेखकीय शैली आक्रमक, चिंतनपूर्ण और ताकीद करने वाली होती थी। वे कम शब्दों में अपनी बात कह देने में महारथ भी रखते थे। असंख्य विषयों पर जगदीश गुरुजी के एक हजार संपादक के नाम पत्र तथा 50 लेख प्रकाशित हुए। काल ने पत्रलेखन विधा का वटवृक्ष हमसे छीन लिया 7 जुलाई 2022 को। उनकी मृत्युपरांत भी अगले ही दिन उनके एक और पत्र का प्रकाशन हुआ। अंतिम सांस तक इस विधा को अनुलोम-विलोम की तरह उपयोग करने वाले धुनी साधक जगदीश गुरू जी का मैं पुण्य स्मरण करता हूं।

गार्ड को धमकाया-किसी को कुछ भी मत बताना

कोलकाता गैंगरेप: वारदात के बाद घंटों शराब पीते रहे आरोपी

साथियों सहित ढाबे में खाना खाया, फिर घर लौटे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप केस में पुलिस ने नए खुलासे किए हैं। जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा और उसके साथी (प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद) ने कॉलेज के गार्ड रूम में घंटों तक शराब पी। सिक्योरिटी गार्ड पिनाकी बनर्जी को धमकाया कि वह इस घटना के बारे में किसी को कुछ न बताए। इसके बाद ईएम बाइपास पर एक ढाबे पर खाना खाने गए। फिर अपने-अपने घर लौट गए। पुलिस के अनुसार, घटना के अगले दिन 26 जून को मनोजीत मिश्रा को जब हालात की गंभीरता का एहसास हुआ तो उसने साउथ कोलकाता के देशप्रिय पार्क इलाके में रहने वाले एक प्रभावशाली व्यक्ति से संपर्क किया। वह व्यक्ति पहले भी उसकी मदद कर चुका था। हालांकि, इस बार उसने मनोजीत से पीछे हटने की सलाह दी। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा यहीं का पूर्व छात्र है। बाकी 2 आरोपी मौजूदा स्टूडेंट्स हैं। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी को 26 जून को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मनोजीत ने कई लोगों (मेंटर्स) से मदद मांगने की कोशिश की। इसके लिए वह शहर के अलग-अलग हिस्सों रासबिहारी एवेन्यू, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बल्लीगंज स्टेशन रोड में घूमता रहा। मोबाइल टॉवर की लोकेशन से पता चला कि वह कराया पुलिस स्टेशन के पास भी किसी से मिला था। जांच में पता चला कि गैंगरेप की पूरी योजना पहले से बनाई गई थी।

कॉल डिटेल रिकॉर्ड में सामने आया कि घटना से पहले कई दिनों तक तीनों आरोपियों के बीच लगातार बातचीत होती रही थी। कोलकाता पुलिस ने 4 जुलाई को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया था।

केरल में फिर पैर पसार रहा निपाह वायरस

● निगरानी में रखे गए 425 लोग, स्वास्थ्य मंत्री ने की हाई लेवल मीटिंग

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस ने कहर बरपाया हुआ है। इसके चलते 425 लोगों पर निगरानी रखी गई है। इस बात की पुष्टि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने की। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में पलक्कड़ में 110 और कोझिकोड में 87 लोग निगरानी में रखे गए हैं। एक शख्स का टेस्ट नेगेटिव आया है। प्रभावित इलाकों में व्यापक निगरानी और रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में इस प्रकोप का पता लगाने और आगे फैलने से रोकने के लिए फील्डवर्क शुरू कर दिया गया है। मक्करापारम्बा, कुरुवा, कूट्तिलांगडी और मांकडा की पंचायतों के 20 वार्डों में निगरानी अभियान चलाया गया है।

भगवान गणेश और नाग देवता की मूर्तियों को तोड़ा

कर्नाटक के शिवमोगा में भारी तनाव, पुलिस तैनात

बंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में शिवमोगा के बंगरप्पा लेआउट इलाके में रविवार को उस समय तनाव फैल गया, जब अज्ञात बदमाशों ने भगवान गणेश और नाग देवता की मूर्तियों को खंडित कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यह भी बताया कि नाग देवता की मूर्ति सड़क किनारे नाले में पड़ी पाई गई। यह घटना शिवमोगा के शांतिनगर वार्ड में हुई, जहां हाल ही में बंगरप्पा लेआउट की मुख्य सड़क पर मूर्तियां स्थापित की गई थीं। इलाके के निवासियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और देवताओं के अपमान पर गुस्सा जताया। पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय समुदाय से चर्चा की। अधिकारियों ने निवासियों को बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

क्राइम ब्रांच ने 2 लाख की ब्राउन शुगर के साथ दो को पकड़ा

इंदौर। क्राइम ब्रांच की टीम ने 14.87 ग्राम ब्राउन शुगर और एक बाइक के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्राउन शुगर की कीमत 2 लाख रुपए है। टीम ने दोनों

आरोपियों को भैरव मंदिर के पास शिवाजी नगर से पकड़ा है। आरोपियों नशे के आदी लोगों को ज्यादा दाम पर ब्राउन शुगर बेचते थे। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि पकड़ाए आरोपियों के नाम शुभम् मलैया (29) निवासी छत्रीपुरा और अमन नरवरिया (27) निवासी इंदिरा नगर मल्हारगंज है। क्राइम ब्रांच की टीम ने शिवाजी नगर में बाइक सवार दो संदिग्ध को देखा तो वह भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशा करते हैं और अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदकर महंगे दामों में नशे के आदी लोगों को बेचते हैं। आरोपियों से पूछताछ कर और भी जानकारी निकाली जा रही है। शुभम ने 5वीं तक पढ़ाई की है और सीतलामाता बाजार में कपड़े की दुकान पर काम करता है। पूछताछ में सामने आया है कि उस पर आधा दर्जन अपराध दर्ज हैं, जबकि अमन ने 9वीं तक पढ़ाई की है और वह भी सीतलामाता बाजार में कपड़े की दुकान पर काम करता है।

ई-रिक्शा से पति गिरा तो शिकायत की

इंदौर। एक महिला ने सदर बाजार थाने में ई-रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। ई-रिक्शा चालक तेज और लापरवाहीपूर्वक लहराते हुए गाड़ी चला रहा था। जिसके कारण ई-रिक्शा बैठे महिला की पति गिर गए और उन्हें चोट आई। सदर बाजार पुलिस के मुताबिक घटना 29 जून की है। मामले में 4 जुलाई को जितिका गौड़ ने केस दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति विकास उर्फ विक्की गौड़ इमली बाजार से नाश्ता लेकर ई-रिक्शा में बैठकर घर आ रहे थे। ई-रिक्शा वाला अपने रिक्शा को काफी तेज गति से लापरवाही से लहराता हुआ चला रहा था। पति ने उसे लहराने और तेज गति से चलाने से रोका, लेकिन वह नहीं माना जैसे ही इमली बाजार कलाली के सामने पहुंचा उसने ई रिक्शा को अचानक मोड़ा जिससे मेरे पति ई रिक्शे से फीका कर बाहर गिरे, जिससे मेरे पति को बांए पैर में और दोनों हाथों में चोट आई हैं। घटना के बाद पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

युवक को पीटने वाले 5 पर केस दर्ज

इंदौर। दो दिन पहले नाबालिग का अपहरण कर बलात्कार करने वाले युवक की पांच लोगों पर चंदन नगर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। घटना दो जुलाई की है। पुलिस ने बताया कि राम बलराम नगर में विष्णु नामक युवक रहता था। वह निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करता था। कुछ दिन पहले उसने 13 साल की नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म किया था। नाबालिग उसके चंगुल से छूटकर घर आई और सारी बातें बताई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर विष्णु को जमकर पीटा। मारपीट से बचने विष्णु पिता दीनू यादव निवासी सिरपुर एक मकान की छत पर चढ़ गया। यह परिजन वहां भी उसे पीटने आए तो वह छत से कूद गया, जिससे उसके पैरों में गंभीर चोट आई थी। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और उसे घायल अवस्था में अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आरोपी से मारपीट करने वालों पर सामान्य धाराओं में केस दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने गुरुवार को अजय चौहान, संदीप बघेल, विशाल चौहान, युधिष्ठिर, पीयूष परमार आदि पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

आत्महत्या की घटनाओं से सनसनी एक ही दिन में 6 लोगों ने जान दी

एमवाय टेक्नीशियन, छात्रा, महिला व मजदूर की मौत

इंदौर। शहर में आत्महत्या की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बीते 24 घंटे में 6 लोगों ने अलग-अलग परिस्थितियों में अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इससे शहर में सनसनी फैल गई। सबसे चौंकाने वाला मामला एमवाय अस्पताल में कार्यरत 25 वर्षीय ओटी टेक्नीशियन देव वास्कले का है, जिसने राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। परिवार ने इस मौत पर संदेह जताया है और मोबाइल की कॉल डिटेल की जांच की मांग की है। इसी तरह राऊ स्थित उमिया कन्या होस्टल में 11वीं की छात्रा पल्लवी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। वहीं गांधी नगर में लक्ष्मी नामक महिला ने पति से विवाद के बाद जहर खा लिया। परदेशीपुरा क्षेत्र में वाशिंग सेंटर पर काम करने वाले आशीष ने सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या की, जबकि द्वारकापुरी में मजदूर रामकरण ने फांसी लगाकर जान दे दी। नरवर गांव की एक महिला मेम ने एसिड पी लिया। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और उसका इलाज चल रहा था। इन सभी मामलों की जांच संबंधित थानों द्वारा की जा रही है। बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं ने शहर में चिंता का माहौल बना दिया है।

सरदार पटेल स्कूल की मनमानी छात्र से टीसी के 5 हजार रु मांगे

कलेक्टर की सख्त हिदायत, टीसी देने में आनाकानी नहीं

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने पिछले दिनों निजी स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत दी थी, कि अगर अभिभावकों द्वारा छात्र की टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) मांगा जाता है, तो बगैर किसी शुल्क के स्कूल संचालक को टीसी देना अनिवार्य है। अन्यथा स्कूल संचालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके बावजूद कई स्कूल कलेक्टर के आदेश की धज्जियां उड़ा रहे हैं। शहर के स्कूल संचालकों द्वारा मनमानी की जा रही है और टीसी मांगने पर अभिभावकों से कई बहानों से जबरन वसूली की जा रही है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें सूरज नगर (बंगाली चौराहे) स्थित सरदार पटेल हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक द्वारा श्रमिक परिवार से छात्र की टीसी के बदले 5 हज़ार रूपए मांगे जा रहे हैं। छात्र समीर राठौर कक्षा 3 में सरदार पटेल स्कूल में पढ़ता था। पर, अब परिजन मजदूरी करने अन्य मोहल्ले में रहने चले गए और अपने बच्चे का एडमिशन दूसरे स्कूल में कराना चाहते हैं। पर, स्कूल संचालक द्वारा उनसे 5 हजार रुपए की मांग की जा रही है, जिसे देने में परिजन असमर्थ है। इस संबंध में जब स्कूल प्रबंधन से बात की गई, तो स्कूल के संचालक बलराम ने बताया कि हमने छात्र का एडमिशन नए सत्र में अगली क्लास में कर दिया हैं। हम एडमिशन फीस मांग रहे हैं, जब उनसे पूछा गया कि जब परिवार यहाँ से दूर निवास करने लगा, तो आप अपनी मर्जी से छात्र का एडमिशन कैसे कर सकते हैं! जब स्कूल संचालकों से पूछा गया कि अभिभावकों से किसी भी तरह की अनुमति लिए बगैर आप एडमिशन कैसे कर सकते हैं ये आपकी मनमानी है। इसके बावजूद अभी तक टीसी नहीं दी गई और छात्र के पिता को भगा दिया गया। ऐसी शिकायतें शहर के कई निजी स्कूलों से भी मिल रही है।

इंदौर में मेट्रो का क्रेज़ खत्म

महीनेभर में यात्रियों की संख्या 97% तक घटी

किराया बढ़ने के साथ संचालन में देरी, फेरे घटे, यात्री भी कम

इंदौर। सीमित दूरी पर चलना शुरू हुई इंदौर मेट्रो का आकर्षण महीने भर में ही लगभग खत्म हो गया। अब इस 5.9 किलोमीटर लंबे मार्ग पर मेट्रो में बैठने वालों की संख्या गिनी-चुनी रह गई। शुरू का एक सप्ताह मेट्रो प्रबंधन ने यात्रियों को मुफ्त सैर कराई, पर जब से किराया वसूलना शुरू किया इसमें बैठने वाले छिटक गए। आंकड़ा बताता है कि 97.46 प्रतिशत यात्रियों की संख्या घट गई। मेट्रो ट्रेन का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मई को भोपाल से वर्चुअली किया गया था। मेट्रो ट्रेन ने इंदौर में वाणिज्यिक परिचालन का एक महीना पूरा कर लिया है। देखकर लग रहा है कि मेट्रों का शुरुआती उत्साह तेजी से फीका पड़ गया। 1 जून, 2025 को मेट्रो ने 26,803 यात्रियों को ढोया था। एक महीने बाद 1 जुलाई को यह संख्या आश्चर्यजनक रूप से घटकर मात्र 680 यात्री रह गई। आशय यह कि नियमित सवारियों में 97.46 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज हुई। शुरुआती दिनों में इंदौर मेट्रो को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। शहर के सभी नेताओं और अफसरों ने इसमें सफर किया और इसे शहर की जरूरत बताया। शुरुआत में प्रतिदिन औसतन 25 हजार

से अधिक यात्री सेवा का उपयोग करते थे। लेकिन, यह रुझान अब कायम नहीं रहा और यात्री कम हो गए।

छुट्टी के दिनों में यात्री बढ़े

अधिकांश दिनों में मेट्रो में यात्रियों की औसत संख्या 500 से भी कम आंकी जा रही हैं। केवल शनिवार, रविवार को यात्रियों की संख्या 1,000 के आंकड़े को पार करती है, जो रोज की तुलना में छुट्टी के दिन शौकिया तफरीह करने का इशारा है। जब मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई, तो पहले सप्ताह में 1.43 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो रेल का उपयोग किया। उसके मुकाबले अभी पूरे सप्ताह में केवल 11,579 यात्रियों ने ही सवारी की। जून के आखिरी सप्ताह में सिर्फ़ 15,947 यात्री ट्रेन में बैठे।

यात्री घटे तो संचालन में संशोधन

यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट होने के कारण मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) को मेट्रो के शेड्यूल और किराए के ढांचे में भी संशोधन किया है। 23 जून से सप्ताह के दिनों में मेट्रो का परिचालन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कर दिया गया हैं। अब हर 1 घंटे में एक ट्रेन ही संचालित होगी। लेकिन, सप्ताहांत में मेट्रो का संचालन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जा रहा है। यानी हर 30 मिनट पर एक ट्रेन चलती है। सेवाओं में कमी के बावजूद, मेट्रो के 15 मिनट देरी से चलने की भी जानकारी मिली। इससे समय की पाबंदी को लेकर चिंता बढ़ गई।

किराया कम किया गया

शुरुआती सप्ताह में यात्रियों को मुफ्त यात्रा कराई गई। इसके बाद 75 प्रतिशत और 50 प्रतिशत तक किराए में छूट दी गई। वर्तमान में यात्रियों को 25 प्रतिशत की छूट मिलती है, यह भी रुचि बनाए रखने के लिए अपर्याप्त लगता है। न्यूनतम किराया 15 रुपए और अधिकतम किराया 23 रुपए कर दिया गया है। यह स्थिति इसलिए बनी कि यात्रियों की घटती संख्या और परिचालन संबंधी बढ़ती चिंताओं के कारण, मेट्रो प्रशासन को प्रबंधन के लिए सिस्टम को मांग पर आधारित बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

राखी से पहले सोनम का भाई गोविंद बहन से मिलने जाएगा, अच्छा वकील भी करेगा

राजा-सोनम के परिजनों में तनातनी, पिंडदान की चुनौती से गोविंद के तेवर बदले

इंदौर। कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में नित नए खुलासे हो रहे हैं। मामले में लगातार नए मोड़ आ रहे। जहां शिलांग एसआईटी, मर्डर केस की पड़ताल करने, वारदात की कड़ियां जोड़ने और ज्यादा से ज्यादा सबूत जुटाने में लगी है, वहीं इंदौर में मृतक राजा के परिजन और उनकी हत्या आरोपी पत्नी सोनम के परिजन खुलकर आमने सामने आ गए। हाल ये है कि अब सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी को भी कठघरे में खड़ा किया जा रहा। राजा के भाई सचिन ने उसे चुनौती देते हुए कहा था कि वह यदि वाकई हमारे साथ है तो अपनी बहन का जीते जी हरिद्वार में पिंडदान करके आए। इधर, गोविंद रघुवंशी अब पूरी तरह सोनम के पक्ष में आते दिख रहे हैं। राजा के भाई की जीते जी पिंडदान की चुनौती के परे उन्होंने अपनी बहन के लिए राखी की रस्म निभाने का इरादा जाहिर किया। वे न केवल रक्षाबंधन के पहले सोनम से मिलने शिलांग जाएंगे, बल्कि उसके बचाव के लिए अच्छा वकील करने की तैयारी भी कर रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में शिलांग पुलिस को रतलाम में अहम साक्ष्य हाथ लगे थे। सोनम के बैग,

लैपटॉप और गहनों की बरामदगी की वजह से एसआईटी का दावा कोर्ट में और मजबूत हो सकता है। एसआईटी को इस केस में शिलोम जेम्स की भूमिका और ज्यादा गहरी होने की आशंका है, अब जांच इसी एंगल पर चल रही है।

बहन के बचाव में उतर आए

इंदौर में राजा रघुवंशी व सोनम रघुवंशी के परिजनों का जुबानी संघर्ष जारी है। पति की हत्या में बहन की संलिप्तता सामने आने के बाद उसके भाई गोविंद रघुवंशी ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि अब वह मेरे लिए मर चुकी है। इतना ही नहीं, उन्होंने बहन को फांसी दिलाने तक की बात कही थी लेकिन अब वे बहन के बचाव में उतर आए हैं। सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी अब राखी की रस्म निभाने की बात कह रहे हैं, अब वे बहन की रक्षा करने का फर्ज निभाएंगे। उन्होंने रक्षाबंधन के पहले सोनम से मिलने के लिए शिलांग पुलिस से अनुमति मांगने की बात कही है। अदालती लड़ाई में बहन की मदद के लिए वे कोई अच्छा वकील भी ढूंढ रहे हैं। गोविंद रघुवंशी और उनके माता पिता, अब शिलांग एसआईटी की जांच पर भी संदेह जता रहे हैं।

पिंडदान की चुनौती के बाद तेवर बदले

राजा के भाई सचिन, शुरु से ही सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी के रुख पर शक जता रहे थे। उन्होंने यह भी कहा था कि हम उसे तभी अपना मानेंगे जब वह अपने लिए बहन के मर जाने के बयान पर कायम रहते हुए उसका जीते जी हरिद्वार में पिंडदान करके आए। सचिन की इस चुनौती के बाद गोविंद रघुवंशी के तेवर पूरी तरह बदले दिखे। सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी भी अब अपनी बेटी की खुलकर तरफदारी करने लगे हैं।

इंदौर के खतरनाक एवं जर्जर मकानों के बारे में दिशा निर्देश

आयुक्त ने भवन अधिकारी, भवन निरीक्षकों के साथ बैठक की

इंदौर। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने इंदौर स्मार्ट सिटी कार्यालय में नगर निगम के समस्त भवन अधिकारियों एवं भवन निरीक्षकों की बैठक ली। बैठक का उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत लंबित भवन अनुज्ञा प्रकरणों की जोनवार समीक्षा करना एवं आगामी त्योहारों एवं आयोजनों के परिप्रेक्ष्य

में शहर में स्थित खतरनाक एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध की जाने वाली रिमूवल कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करना था। निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने नवनियुक्त भवन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जोन में लंबित भवन अनुज्ञा से संबंधित सभी प्रकरणों की प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना निगम की प्राथमिकता है, जिसके लिए अधिकारियों को तत्परता से कार्य करना होगा। इसके अतिरिक्त, आगामी धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त द्वारा शहर में स्थित जर्जर एवं खतरनाक भवनों के विरुद्ध रिमूवल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान निगम अभिभाषक ऋषि तिवारी की उपस्थिति में समस्त भवन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को भवन अनुज्ञा प्रक्रिया, नोटिस जारी करने की विधिक प्रक्रिया तथा जर्जर भवनों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया पर आधारित एक ओरिएंटेशन प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इसका उद्देश्य अधिकारियों को नियम एवं विधियों की पूरी जानकारी देकर कार्रवाई को विधिसम्मत एवं प्रभावी बनाना था। इस बैठक में अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, उपायुक्त भवन अनुज्ञा शैलेश अवस्थी, निगम अभिभाषक ऋषि तिवारी, सभी भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डुप्लीकेट फोन-पे से पैसे ऐंठने वाले दो बदमाश गिरफ्तार हुए

मैहर से पढ़ाई करने इंदौर आए थे, वारदात करने लगे

इंदौर। परदेशीपुरा पुलिस ने दो ऐसे बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो डुप्लीकेट फोनपे से फेक ट्रांजेक्शन करते थे। दोनों बदमाश सतना के मैहर से यहां तीन साल पहले पढ़ाई करने आए थे। दोनों मिलकर फर्जी एप्लीकेशन के माध्यम से फेक ट्रांजेक्शन दिखाकर लोगों से सामान खरीदते थे। अब दोनों पुलिस अभिरक्षा में है। उनके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। टीआई आरडी कानवा के अनुसार फरियादी जयेश सोनी निवासी पाटनीपुरा ने शिकायत की थी कि दिनांक 5 जून को श्यामलाल एंड संस नामक मेरी ज्वेलर्स शॉप पर एक युवक आया। उसने 46 हजार रुपए की सोने की अंगूठी खरीदी और उसके मोबाइल से मेरे शॉप के स्कैनर पर स्कैन कर रुपए ट्रांसफर किए। उसने फे ट्रांजेक्शन दिखाया। इस पर मैंने विश्वास किया और बिल तैयार कर रहा था। तभी वह मेरी शॉप से चला गया, लेकिन उसके ट्रांजेक्शन से मेरे खाते में कोई रकम नहीं आई। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) का केस दर्ज किया था। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी विकास पटेल निवासी रामनगर जिला सतना को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथी कमलनयन के साथ मिलकर डुप्लीकेट फोनपे एप्लीकेशन से फेक ट्रांजेक्शन करना बताया। पुलिस ने कमलनयन बैस को पकड़ लिया। आरोपियों के पास आभूषण खरीदने के कई बिल मिले हैं जिनके बारे में जानकारी एकत्रित की जा रही है।

'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' पर संकट, भुगतान रुका तो काम थमा

योजना की गति धीमी, ग्रामीणों-किसानों को लाभ नहीं मिल रहा

इंदौर। ग्रामीण भारत को सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना इन दिनों संकट के दौर से गुजर रही है। वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई इस ऐतिहासिक योजना से गांवों को बाजार से जोड़कर किसानों व श्रमिकों को लाभ देने की कोशिश शुरू की गई थी। लेकिन, धीरे-धीरे अब इसका असर फीका पड़ता दिखाई देने लगा है।

बीते 7 से 8 माह से ठेकेदारों को भुगतान नहीं मिलने से निर्माण कार्य रुक गए हैं। कई ठेकेदारों ने बताया कि वे लगातार विभागीय दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन, हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन मिलता है कि 1-2 दिन में भुगतान होगा। इस देरी से निर्माणाधीन सड़कें अधूरी हैं और कई स्थानों पर निर्माण कार्य पूरी तरह बंद हो गया। इससे ग्रामीणों,किसानों व मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्वीकृत परियोजनाएं भी लंबित हैं।

ठेकेदारों की परेशानी – कई ठेकेदारों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमें सात-आठ माह से भुगतान नहीं मिला। इससे जरूरी

कार्य अधूरे हैं। अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आगे काम नहीं करेंगे। इससे विकास कार्य प्रभावित होंगे। कुछ ठेकेदारों ने चेतावनी दी है कि अगर भुगतान नहीं मिला तो वे आगे कार्य नहीं करेंगे। यदि समय रहते भुगतान नहीं हुआ,तो यह योजना बंदी की ओर बढ़ सकती है,जिससे ग्रामीण विकास और आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी।

स्थिति जल्द सामान्य होगी – मांगीलाल डाबर मुख्य महाप्रबंधक (इंदौर संभाग) ने बताया कि भारत सरकार ने 31 मार्च तक की एग्रीमेंट अवधि दी थी। लेकिन, समय पर कार्य पूर्ण नहीं हुआ। इसलिए कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया।अब मध्यप्रदेश सरकार ने मांग की है कि यह अवधि 31 मार्च 2026 तक बढ़ाई जाए। नए ठेकेदारों को पत्राचार प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी, जिससे समस्या हुई। अब संपर्क के बाद उनकी समस्या का समाधान किया जा रहा है। 8- से 15 दिनों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है।

मेघदूत गार्डन के सामने सड़क पर गड्ढा, एयरटेल पर 3 लाख जुर्माना

निगम कमिश्नर ने जांच कराई, एयरटेल के काम से रिसन हुई

इंदौर। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने मेघदूत गार्डन के सामने सड़क में अचानक हुए बड़े गड्ढे को लेकर अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अभिकरण यंत्री भंडारी लक्ष्मी को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में पाया गया कि भारती एयरटेल कंपनी की कार्यकारी फर्म स्टेलेट प्रायवेट लिमिटेड ने पानी की पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त किया है। जांच दल ने यह भी बताया कि उपचारित जल की पाइप लाइन पूरी तरह से एचडीडी पाइप के कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त होने से लाइन में लग गई और मिट्टी कटाव एवं धंसने के कारण देखते ही देखते बड़ा हो गया। निगम आयुक्त द्वारा संबंधित फर्म से इस लापरवाही के लिए 3 लाख की वसूली का नोटिस जारी किया गया। साथ ही आयुक्त के निर्देशों पर संबंधित

कंपनी/ठेकेदारों के कब्जे वाले स्थान विजय नगर में प्रवेश द्वार से संबंधित झोन स्तर से पत्र भी जारी किया गया। नगर निगम द्वारा बताया गया कि उक्त घटना की वजह से निगम के कार्य एवं सड़क की गुणवत्ता पर भी उंगलियां उठाई गई है। जबकि, यह सड़क इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 20-25 साल पहले बनाई गई थी। अभी इस सड़क पर कोई मरम्मत/ड्रेनेज लाइन का कार्य नहीं किया गया। सड़क की जमीन धंसने का मुख्य कारण अनाधिकृत तरीके से कार्य करना और मिट्टी कटाव एवं मिट्टी का धंसना है।

आबकारी अधिकारी की संपत्ति आय से 550% ज्यादा, केस चलाने की मंजूरी

लोकायुक्त की रिव्यू पिटीशन हाई कोर्ट में स्वीकृत, पुराना आदेश निरस्त

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने लोकायुक्त संगठन की रिव्यू याचिका को स्वीकार करते हुए पूर्व खंडपीठ के 17 अगस्त 2024 के आदेश को निरस्त कर दिया। यह फैसला जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस विनोद कुमार द्विवेदी की बेंच ने सुनाया। मामला तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी जगदीश राठी के खिलाफ लोकायुक्त द्वारा की गई छापामार कार्रवाई से जुड़ा है। राठी के निवास पर छापे के दौरान उनकी कुल संपत्ति में 550 प्रतिशत की अनुपातहीन पाई गई थी। लोकायुक्त पुलिस ने इस संबंध में उनके विरुद्ध चालान पेश किया था। इसके बाद राठी ने हाईकोर्ट में अभियोजन स्वीकृति को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई के लिए अदालत ने 29 अगस्त 2024 की तारीख नियत की थी। लेकिन, इस बीच आरोपी ने 16 अगस्त को तत्कालीन खंडपीठ के समक्ष मेंशन स्लिप के जरिए केस को 17 अगस्त को पेश करा लिया। 17 अगस्त 2024 को हुई सुनवाई में लोकायुक्त संगठन और शासन की ओर से जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा गया था, लेकिन तत्कालीन खंडपीठ ने यह मांग अस्वीकार करते हुए अभियोजन स्वीकृति और पूरे अभियोजन को निरस्त कर दिया था।

लोकायुक्त संगठन ने इस आदेश के विरुद्ध हाई कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल की थी। मामले की कानूनी रणनीति लोकायुक्त संगठन के वरिष्ठ अधिकारी, विशेष लोक अभियोजक प्रसन्ना प्रसाद, एसपी लोकायुक्त इंदौर राजेश सहाय, डीएसपी और केस प्रभारी अधिकारियों के नेतृत्व में तैयार की गई है। अब अदालत ने यह स्वीकार करते हुए पूर्व खंडपीठ का आदेश रद्द कर दिया है। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने जिला अदालत में पुनः कार्यवाही शुरू कर दी है।

संपादकीय

ठाकरे एकता, लेकिन कब तक?

महाराष्ट्र के स्कूलों हिंदी अनिवार्यता के विरोध और मराठी के समर्थन में 19 साल बाद परस्पर विरोधी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का एक साथ आना राज्य की राजनीति की महत्वपूर्ण घटना है, लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी जुड़ा है कि यह एकजुटता कब तक टिकेगी? हालांकि दोनों भाई इस बात की दुहाई दे रहे हैं कि वो आगे भी साथ रहेंगे, लेकिन राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि दोनो भाइयों और उनकी पार्टियों का साथ रहना मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के चुनाव नतीजों पर काफी कुछ निर्भर है। अगर इसमें शिवसेना जीती तो दोनों का साथ लंबा चल सकता है, लेकिन हारी तो उद्धव और राज के रास्ते फिर अलग हो सकते हैं। बहुतों का मानना है कि दोनों का साथ आना दरअसल दोनों के राजनीतिक जीवन मरण का प्रश्न बन गया है, इसलिए यह संकटकालीन संधि है। मुंबई के वरली डोम में उद्धव की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह था। दो दशकों से एक दूसरे के खिलाफ काम कर रहे कार्यकर्ता गले मिलते दिख रहे थे। सभा में उद्धव की तुलना में राज ठाकरे का भाषण ज्यादा प्रभावी था। उन्होंने कहा कि जो काम बाला साहब ठाकरे नहीं कर सके, वो देवेन्द्र फडणवीस ने कर दिखाया। अर्थात् हम दोनों को साथ ला दिया। उद्धव ने कहा कि अगर मराठी की रक्षा के लिए हमे गुंडागर्दी भी करनी पड़ी तो हम करेंगे। लेकिन महाराष्ट्र में जबर्दस्ती हिंदी लादने नहीं देंगे। उधर राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि दोनों भाइयों की संयुक्त सभा राजनीतिक रूदाली थी। हालांकि भाजपा यहां भी राज से ज्यादा उद्धव पर कटाक्ष कर रही है। दो भाइयों के इस मिलन से इतना तो तय है कि दो माह बाद होने वाले बीएमसी के चुनाव में हिंदी विरोध अहम मुद्दा होगा। दरअसल एक माह पहले फडणवीस सरकार ने शासकीय संकल्प जारी कर कहा था कि अब राज्य पहली कक्षा से बच्चों को त्रिभाषा फार्मूले के तहत तीन भाषाएं सीखनी होंगी। जिसका तीव्र विरोध शुरू हो गया। इसका जायज आधार यह था कि आखिर पहली क्लास का बच्चा तीन भाषाएं एक साथ कैसे सीखेगा? तीन भाषाएं यानी मातृभाषा मराठी, अंग्रेजी और हिंदी। सरकार चाहती तो हिंदी कक्षा तीसरी से या चौथी से भी लागू कर सकती थी। लेकिन लगता है कि यह संकल्प भी भाषा के आधार पर मुंबई में वोटों के विभाजन की महीन राजनीति के मकसद से जारी किया गया था। यही अब आकार लेता दिख रहा है। वरना सरकार चाहती तो इसे बीएमसी चुनाव के बाद भी जारी किया जा सकता था। उधर ठाकरे बंधुओं की राजनीति भी संकट में है। लिहाजा उन्हें लगा कि हिंदी विरोध उनकी सियासत के लिए संजीवनी हो सकती है। लेकिन सवाल यह भी है कि इससे दोनों सेनाओं को कितना लाभ होगा। अगर मुंबई में भाषा के आधार पर वोटरों का सीधा विभाजन हो गया तो अंततः भाजपा और महायुति को ही फायदा होगा। क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई में मराठी भाषियों की संख्या करीब 36 प्रतिशत है, जबकि गैर मराठी भाषियों की तादाद 64 प्रतिशत है, जिनमें हिंदी को मातृभाषा मानने वालों की संख्या करीब 23 फीसदी है। बीएमसी में कुल 227 सीटें हैं। दूसरा, सवाल दोनों सेनाओं में सीटों के बंटवारे और विपक्षी महाविकास आघाड़ी के भविष्य का भी है। ठाकरे बंधुओं की मिलन सभा में राकांपा शरद पवार की पार्टी की सुप्रिया सुले और अन्य नेता भी थे। इसका अर्थ यह है कि राकांपा(श) उद्धव व राज के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेगी। असली मुश्किल कांग्रेस के लिए है कि वह मआवि में रहेगी या नहीं या फिर अलग चुनाव लड़ेगी।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

गांधी का स्वराज और केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी

महात्मा गांधी को ग्राम स्वराज का दर्शन देने का नैतिक अधिकार था क्योंकि वे ग्रामों को न केवल आर्थिक प्रशासनिक, राजनीतिक इकाई के रूप में आजाद बनाना चाहते थे, बल्कि बेहतर इंसान को गढ़कर एक इकाई के रूप में अपना काम खुद करने की मानसिकता वाला बनाना चाहते थे। गांधी जी ने जो कहा और उसका पालन भी किया। जस्टिस साहब जरा याद करें कि जब महात्मा गांधी कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने गए थे तो वहां मल मूत्र व गंदगी का ढेर लगा था। लोग एक-दूसरे से शिकायत कर रहे थे कि बहुत गंदगी है, और तब की बड़ी इकाई कोलकाता महानगर पालिका या सफाई कर्मी के इंतजार में थे। महात्मा गांधी ने वहां जाकर अपने हाथ से न केवल कचरे को बल्कि मल मूत्र को भी बाल्टी में भर-भरकर फेंकना शुरू किया और बाद में अन्य लोगों ने भी अनुसरण करना शुरू किया।

केरल हाई कोर्ट के जस्टिस ए मोहम्मद मुस्ताक और जस्टिस पी कृष्ण कुमार की बेंच ने 27 फरवरी 2025 को एक याचिका की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि 'गवर्नेंस की समस्याएं काफी बढ़ गई है, महात्मा गांधी द्वारा प्रस्तावित ग्राम स्वराज को खत्म करने की आवश्यकता है।' जस्टिस मुस्ताक ने यह भी कहा कि 'स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। गांधी जी द्वारा प्रस्तावित ग्राम स्वराज का विचार जो अब संवैधानिक रूप से शामिल है उसे खत्म करना चाहिए क्योंकि गवर्नेंस में अब जटिलता आ गई है। पहले छोटे मुद्दे ही हल करने होते थे अब स्थानीय प्राधिकरणों के लिए चुनौती बहुत बड़ी है।' उन्होंने आगे कहा कि हर पंचायत कचरा प्रबंधन नहीं कर सकती हमें पूरे जिले या बड़े क्षेत्र के लिए एक बड़ी संस्था की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि 'संपत्ति और भवन कर जैसे राजस्व संग्रहण भी इस स्थानीय दृष्टिकोण के कारण प्रभावित होते हैं।' जस्टिस मुस्ताक हाई कोर्ट के न्यायाधीश हैं उनका यह अधिकार है कि वह अपने विचार के अनुसार कोई भी टिप्पणी करें और एक नागरिक के नाते मेरा भी संवैधानिक अधिकार है कि मैं जस्टिस साहब पर टिप्पणी करूं।

जहां तक महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और पंचायती राज के विचार में वर्तमान पर स्थितियों में संशोधन और सुधार का प्रश्न तो यह भी समझना होगा कि सुधार मूल विचार में नहीं होता बल्कि मूल विचार को लागू करने की प्रक्रिया में होता है, परंतु जस्टिस मुस्ताक तो गांधी जी के ग्राम स्वराज को ही समाप्त करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने गांधी जी को पढ़ा नहीं है या फिर सावधानी से नहीं पढ़ा और उन्होंने गांधी जी के विचारों और अपनी कल्पना के केंद्रीयकरण के खतरों को भी गंभीरता से नहीं समझा, वरना शायद वह ऐसी टिप्पणी नहीं करते। गांधी जी ने आजादी के आंदोलन के दौरान ही अपनी स्वराज की कल्पना को स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने 1905 में हिंद स्वराज पुस्तक में स्पष्ट बताया था कि उनके लिए आजादी का मतलब क्या है? बापू के विचारों में आजादी का मतलब ग्राम स्वराज और व्यक्ति स्वराज था, जहां ग्राम हर अर्थों में आर्थिक राजनीतिक और सभी प्रकार से एक स्वतंत्र इकाई हो जो किसी दूसरे पर निर्भर नहीं हो और इसी प्रकार व्यक्ति भी उतना उन्नत हो कि उसे किसी बाहर के शक्ति बंधन या कानून की आवश्यकता ना हो। पंचायती राज की अवधारणा को संविधान में स्थान तो दिया गया था परंतु नीति निर्देशक सिद्धांतों में उस समय उसे संवैधानिक प्रावधान नहीं बनाया गया था, परंतु संविधान निर्माण के लगभग 35 वर्ष के बाद पंचायती राज लाने को संवैधानिक स्वरूप दिया गया और बापू की कल्पना को आधे अधूरे ढंग से या कुछ कुछ बेमन से संविधान में शामिल किया गया। निसंदेह इसके बाद ग्राम पंचायत से लेकर जनपद और जिला पंचायतों तक कुछ अधिकार उन्हें राज्य सरकारों द्वारा दिए गए परंतु उन्हें राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक आजादी नहीं मिली और उन्हें अपने ग्राम विकास के काम को पूरा करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों सांसदों और विधायकों की निधि पर निर्भर रहना पड़ता है। एक बुनियादी फर्क तो आया है कि पंचायत में कौन सा काम कहां उपयोगी है इसमें यद्यपि पूर्णतया तो नहीं परंतु कुछ हद तक सुधार हुआ है। आजादी के बाद के प्रारंभिक काल में जो पंचवर्षीय योजना रूस की नकल के तौर पर लागू की गई थी उसमें नीचे से ग्रामीण समाज की आवश्यकता ऊपर जाती थी और बँटवारा केंद्र सरकार करता था। केंद्र भी केवल संख्या स्वीकृत करता था परंतु स्थान चिन्हित करने का काम राज्य सरकारें ही करती थी और राज्य सरकारों में जो ताकतवर लोग होते थे अधिकांश योजनाओं को वे ही अपने प्रभावित क्षेत्र में ले जाते थे। यद्यपि भी अब पंचवर्षीय योजना नहीं है परंतु प्रशासनिक ढांचा तो लगभग वैसा ही स्थापित है तथा आज भी शासन प्रणाली में वितरण का न्याय नहीं है। बल्कि श्जिसकी लाठी उसकी भैंस्य का सिद्धांत चल रहा है, यानी जो सत्ता में है या जिसकी भागीदारी है, विकास की योजनाएं वह अपने मर्जी से ले जाता है या बंदरबांट करता है। आम जनता और ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत तक भिखारी जैसी स्थिति होती है, जो मंत्री मुख्यमंत्री, सांसद, विधायकों के आगे हाथ जोड़े खड़ी रहती है। कहीं-कहीं इनके अध्यक्षों को सरकारी रेस्ट हाउस या विश्रामगृह में ठहरने की पात्रता दी गई है या बैठकों आदि में अध्यक्ष पद पर आसीन होने का अवसर मिल जाता है, परंतु पंचायत सचिव से लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी तक सारे अधिकारों का प्रयोग लगभग अधिकारी ही करते है। यहां तक कि स्थानीय कर्मचारी, पटवारी, शिक्षक, कंपाउडर, आंगनबाड़ी कर्मचारी आदि पर भी उनका कोई नियंत्रण नहीं होता।

विकेंद्रीकरण के नाम के आधे अधूरे और कुछ हद तक इस विकृत स्वरूप ने भ्रष्टाचार का विकेंद्रीकरण अवश्य कर दिया है और जिले से लेकर ग्राम पंचायत तक सभी अपनी क्षमता के अनुसार भ्रष्टाचार के चंगुल और जाल में फंसे हैं। पंचायत के स्तर पर तो अधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भ्रष्टाचार या कमिशन के रेट तय करने का चलन बन चुका है। इन स्थितियों में गांधी जी के ग्राम स्वराज के विचार को दोष देना निरर्थक है। यह स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण के सिद्धांत की असफलता नहीं है, बल्कि उसे लागू करने वालों की मानसिक व भावनाओं की कमी है। स्थानीयकरण और विकेंद्रीकरण के बहुत लाभ होते हैं और अधिक हो भी सकते हैं पर शर्त यह है कि उन्हें लागू करने की ईमानदार इच्छा केंद्र व राज्य सरकार की हो तथा उसके लिए वे संवैधानिक प्रावधान सगुण रूप से बनाएं। जस्टिस मुस्ताक ने कचरा प्रबंधन को लेकर विकेंद्रीकृत प्रणाली को अप्रभावी कहा है और इसे बड़े क्षेत्र के लिए जिले, पूरे जिले और बड़ी संस्था की आवश्यकता बताई है। जस्टिस महोदय भूल गए हैं कि बड़े क्षेत्र में भी कचरा प्रबंधन की प्रणाली लगभग असफल ही है। दूसरे छोटे इकाई में कचरा प्रबंधन आसान हो सकता है, क्योंकि वहां कचरा भी अलग प्रकार का और कम मात्रा में होता है। हमारे देश के गांव में आज भी पालीथिन का प्रयोग शहरों की तुलना में बहुत कम है, जो गंदगी और कचरा महानगरों में या बड़े स्तर पर होता है वह स्थिति ग्रामों में नहीं है। अगर ग्रामीण इकाइयों या पंचायत को आवश्यकता आवश्यक उपकरण या सुविधा मुहैया कराई जाए तो ग्रामीण इकाइयों में कचरा प्रबंधन बहुत आसानी से हो सकता है। दूसरी बात यह भी है कि मशीनीकरण ने आम इंसान की आत्मनिर्भरता दूर कर दी। हर बात इस बात पर निर्भरता राज्य सरकार या प्रशासन तंत्र के ऊपर हो रही है।

महात्मा गांधी को ग्राम स्वराज का दर्शन देने का नैतिक अधिकार था क्योंकि वे ग्रामों को न केवल आर्थिक प्रशासनिक, राजनीतिक इकाई के रूप में आजाद बनाना चाहते थे, बल्कि बेहतर इंसान को गढ़कर एक इकाई के रूप में अपना काम खुद करने की मानसिकता वाला बनाना चाहते थे। गांधी जी ने जो कहा और उसका पालन भी किया। जस्टिस साहब जरा याद करें कि जब महात्मा गांधी कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने गए थे तो वहां मल मूत्र व गंदगी का ढेर लगा था। लोग एक-दूसरे से शिकायत कर रहे थे कि बहुत गंदगी है, और तब की बड़ी इकाई कोलकाता महानगर पालिका या सफाई कर्मी के इंतजार में थे। महात्मा गांधी ने वहां जाकर अपने हाथ से न केवल कचरे को बल्कि मल मूत्र को भी बाल्टी में भर-भरकर फेंकना शुरू किया और बाद में अन्य लोगों ने भी अनुसरण करना शुरू किया। जिसके परिणाम स्वरुप अधिवेशन स्थल साफहो सका। उसके कुछ दिनों बाद महात्मा गांधी चंपारण गए और उन्होंने वहां भी गांव की गंदगी को खुद हाथ से साफकरना शुरू किया। उनका अनुसरण कर गांव वाले खुद सफाई करने लगे, किसी महानगरी या बड़ी इकाई को किसी मशीन की आवश्यकता नहीं पड़ी। आज अगर किसी गांव या ग्राम पंचायत में सफाई या कचरा प्रबंधन का अभाव है तो यह स्थानीय या विकेंद्रीकरण की असफलता नहीं है, बल्कि हमारी सभ्यता की असफलता है। यह बहुत छोटी सी जरूरत है जिसका पालन आसानी से स्थानीय इकाइयां कर सकती हैं।

कचरे को नष्ट करने वाली या तब्दील करने वाली छोटी मशीन या छोटी ट्रॉली भी कचरे के छोटे-छोटे डिब्बे भी ग्राम पंचायत के माध्यम से आसानी से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। यह विकेंद्रीकरण की सफलता का आधार हो सकता है और दूसरी तरफकेंद्रीकरण के संभावित दुष्परिणामों पर विचार करें अगर किसी कारण से मशीन बिगड़ जाए या कोई हड़ताल हो जाए या कोई सड़क मार्ग में अवरोध पैदा हो जाए व नल, बिजली की व्यवस्था कुछ समय को बाधित हो जाए तो महानगर एक-दो दिन में ही नरक से बदतर हो जाते हैं। स्थानीयकरण व्यक्ति और उसके हाथ तक जाता है जो कभी भी बाधित नहीं हो सकता है कभी-कभी अयोग्य या बीमार, हो सकता है परंतु मशीनीकरण के समान लंबी या स्थायी परेशानी वाला, कभी नहीं हो सकता।

सामयिक

राजीव खण्डेलवाल

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

राष्ट्रपति ट्रंप : बदले-बदले मेरे सरकार नजर आते हैं..!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल पर फिल्म 'चौदहवीं का चांद' का गाना याद आ जाता है- 'बदले-बदले से मेरे सरकार नजर आते है'' बदलने के मामले में ट्रंप ने युगांडा के ईदी अमीन को भी पीछे छोड़ दिया, जिसे सनकी कहा जाता रहा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल तुलनात्मक रूप से ज्यादा अप्रत्याशित व अनिश्चित नीति का ज्यादा शिकार रहा है। बावजूद उन्होंने अभी भी 'अमेरिका फर्स्ट नीति' को केन्द्र बिन्दु बनाया हुआ है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उन्हें दी गई उपाधियां उनकी विवादास्पद शैली, नीतियों के वैश्विक प्रभाव को दर्शाती हैं। समर्थक उन्हें 'सीजफायर एक्सपर्ट', 'स्वर्ण युग का प्रणेता', और 'अमेरिका फर्स्ट का योद्धा' जैसे सकारात्मक नामों से पुकारते हैं, जबकि आलोचक उनके लिए 'तानाशाह राष्ट्रपति', 'झूठ का बादशाह' और 'टैरिफ किंग' जैसे नकारात्मक नामों का इस्तेमाल करते है। ये उपाधियां सामाजिक, राजनीतिक, और वैश्विक ध्रुवीकरण को दर्शाती हैं, जो ट्रंप की छवि का अभिन्न हिस्सा है।

ट्रंप की 150 दिनों से ज्यादा का कार्यकाल यही सिद्ध करता है कि ट्रंप के लिए जुबान की कीमत नहीं है। ट्रंप द्वारा इजरायल-ईरान के बीच युद्ध विराम की घोषणा, कब युद्ध में पुनः बदल जाए, इसकी गारंटी नहीं है। विश्व के सबसे शक्तिशाली देश का प्रेसिडेंट का ऐसा व्यक्ति भी हो सकता है, यह कल्पना से परे है। बावजूद इसके इस बात के लिए उनका लोहा मानना होगा कि ट्रंप की सभी बातें विश्व मानने के लिए मजबूर है। ट्रंप इन तमाम विरोधाभासों के बावजूद अपने देश में इसीलिए सफल हैं कि उनका एक बड़ा समर्थक वर्ग है, जो ''अमेरिकन फर्स्ट'' नीति के नाम पर ट्रंप के साथ है। हालांकि अब अमेरिका में भी ट्रंप का विरोध हो रहा है, लेकिन उनको इसकी चिंता नहीं है। इसका कारण उनकी कार्य प्रकृति है, जिसमें वो जब चाहे वह अपने निर्णयों से पलट जाते हैं और फिर पलट कर लागू कर देते हैं। इसमें धमकी के साथ नीतियों को लागू करने में लचीलापन भी दृष्टिगोचर होता है।

उदाहरण के लिए ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के प्रयास में ''एफ टू'' हथियार का विश्व में पहली बार उपयोग कर नष्ट करने वाले अमेरिका के कहने पर वह युद्ध विराम के लिए तैयार हो जाता है। ईरान द्वारा कतर में अमेरिकन सैन्य अड्डों पर कतर के माध्यम से अमेरिका को पूर्व सूचना के हमला करने के बावजूद अमेरिका ईरान पर काउंटर आक्रमण नहीं करता है। याद कीजिए! यहां यह उल्लेख करना सामयिक होगा भारत के विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ करने के पूर्व पाकिस्तान की सेना को बताया था कि हम सेना पर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे, सिर्फ आतंकियों के विरुद्ध आतंकी बेसों पर ही सैन्य कार्रवाई करेगें। पर तब हमारे देश में बहुत चिल्लाहट हुई। लेकिन यह नीति जब ईरान ने अमेरिका के खिलाफ कतर के माध्यम से अमेरिका को सूचना देकर उनके परमाणु ठिकानों पर हमला किया, तब इस पर किसी ने आपत्ति नहीं की। बल्कि इसे ईरान की युद्ध न भड़काने की नीति कहकर सराहा गया। इजराइल ने युद्ध प्रारंभ किया, ईरान पर आक्रमण करके। बाद में अमेरिका उसमें कूद पडा और कूद कर बंम फोड़कर शांति करवाई। इसके लिए ट्रंप अब नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर रहे हैं। उन्हें यदि यह पुरस्कार मिला तो विश्व का आठवां आश्चर्य होगा। भारत भी ट्रंप के इस विचित्र व्यवहार से हक्का-बक्का और अचंभित है। ट्रंप की बीते 150 दिनों में न्यूनतम 10 कार्रवाइयां भारत के सम्मान के खिलाफ हुई और उसका सक्षम प्रतिरोध भारत नहीं कर पाया। अधिकतर मामलों में उसने चुप्पी साध ली। पूरे विश्व को यदि वास्तव में शांति क्षेत्र बनाये रखना है, पूरे विश्व को ट्रंप के मामले में अपनी नीति का पूर्वावलोकन करना अति आवश्यक है और उसके कथनों पर ध्यान न दिया जाकर उसके द्वारा की जा रही कार्रवाई को ध्यान में रखकर यदि विश्व ट्रंप के प्रति अपना रवैया निश्चित करेगा, तभी ट्रंप को कुछ नियंत्रित किया जा सकता है। अन्यथा ट्रंप के अपने शेष कार्यकाल में क्या करेंगे, इसकी कल्पना भी मुश्किल है।

डग-डग रोटी, पग-पग नीर

कटाक्ष

डॉ. श्रीकांत द्विवेदी

लेखक साहित्यकार हैं।

पिछले दिनों अखबार में एक मजेदार समाचार पढ़ने को मिला। समाचार ये था कि मध्यप्रदेश के एक पेट्रोल पंप पर प्रदेश के मुखिया के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया। इसके बाद अखबारों में पेट्रोल पंप सील, एफआईआर दर्ज और प्रदेश के सभी पेट्रोल पंप की जांच जैसी ख़बरें अखबारों में दिखाई दी। जिसने भी इख़बरों को पढ़ा होगा, मुस्कराए बिना न रहा होगा। मैं भी मुस्कराया था। वाकई में दाद देनी होगी सम्बंधित पेट्रोल पंप वालों के दम गुर्दे की, जो मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया। वह भी एक-दो नहीं, बल्कि काफिले की सभी 19 गाड़ियों में। पानी मिला डीजल भरकर थोड़ी दूरी पर जाकर गाड़ियां एक-एक करके रुकने लगी।

इस तरह से गाड़ियों का रूकना तय था। भला पानी मिले डीजल से गाड़ी कैसे चलती। जबकि, इसी पानी से जिंदगी की गाड़ी जरूर चल जाती है। सत्र के दौरान संसद चले या न चले, मगर पानी पर राजनीति भी खूब चल जाती है। यानी पानी है, तो आज है, पानी है तो कल है। पानी के लिए कल-कल भी है। तभी तो सिंधु जल संधि टूटने से पाकिस्तान में कल-कल मची है। इसीलिए तो कविवर रहीम ने भी एक दोहे में लिख ही दिया था 'बिन पानी सब सून।' पानी की इतनी महत्ता जानते हुए ही पेट्रोल पंप वालों ने काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया होगा। जबकि, रहवासी क्षेत्रों के नलों से तीन-चार दिन में एक बार पानी मिलता है।

इस मान से सम्बंधित पेट्रोल पंप के संचालक ने समझदारी दिखाते हुए डीजल के साथ पानी भी भर दिया। सोचो जरा, पेट्रोल पंप पर काफिले की गाड़ियों में केवल डीजल भर दिया जाता, तो यही सुनने को मिलता कि रतलाम अब पहले जैसा पानीदार नहीं रहा। ऐसी बात नहीं है। रतलाम ने पानी मिला डीजल भरकर बता दिया कि रतलाम का पानी अभी मरा नहीं है। वैसे भी रतलाम की सेंव, साड़ी और सोना देशभर में अपना स्वाद एवं चमक-दमक बिखेरे हुए हैं। वैसे भी रतलाम मालवा क्षेत्र का एक अहम हिस्सा है। मालवा की ढेर सारी खूबियों में एक खूबी का बड़े गर्व के साथ बखान होता है। खूबी का बखान यूं कि 'मालव माटी गहन गंभीर, डग-डग रोटी, पग-पग नीर।' मुख्यमंत्री का काफिला रतलाम आए और अतिथि देवो भव की परम्परा का निर्वहन न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता है। बस इसी भाव के साथ पग-पग नीर होने से पानी मिला डीजल भर दिया।

थोड़ी दूर जाकर बीच सड़क पर 19 गाड़ियां रुक गई। इस पर अधिकारी तो अधिकारी ठहरे, उन्होंने तुरत-फुरत पेट्रोल पंप सील कर दिया। यह जानते हुए कि जिंदगी की गाड़ी कभी भी, कहीं पर भी रूक सकती है, तो फिर इन गाड़ियों की क्या औकात! इसके अलावा देशभर में हर रोज दूध-घी, दवा-दारू तथा अन्य खाद्य पदार्थों में पता नहीं कितना अमानक जानलेवा धीमा जहर मिलाया जा रहा है, थोड़ी बहुत जांच पड़ताल के बाद सभी की दुकानें चल रही है। पेट्रोल पंप को भी सील करने से पहले जांच का एक मौका मिलना चाहिए था। हो सकता है जांच पूरी होते-होते अगले चुनाव आ जाते या फिर इसी पंप की नई शाखा का शुभारंभ मुख्यमंत्री के हाथों हो जाता। फिर जांच भी आई-गई हो जाएगी। फिर से सम्बंधित पेट्रोल पंप को इंतजार रहेगा, मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ियों का और फिर वही पानी मिला डीजल। है न पेट्रोल पंप का मजेदार विश्लेषण।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

निज़ाम की बद्नज़र से बार-बार बच जाती है जिन्दगी

कांग्रेचुलेशंस शांतिबाबू। बधाई। मुबारक हो कि आप पुरी गए थे, लौट आए, भीड़ में कुचलकर मरे नहीं। पाँच सौ से ज्यादा घायल हुए, उसमें भी बच गए! क्या बेहतरीन किस्मत लिखाकर लाए हो गुरु! प्रयागराज भी गए थे आप। न तो नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुचले गए न मेले में। बड़ी बात है।

निज़ाम ने इंतजामात् में इतनी कमियाँ रखीं, लापरवाही से काम लिया, इन्फ्रा खड़ा करने में कट लिया, पुलिस वीआईपी मूवमेंट में मुब्तिला रही, जिम्मेदारियाँ इस-उस पर डालीं, फिर भी मौत ने आपको छुआ तक नहीं। मौत को आप बैंगलोर में चकमा दे आए। आरसीबी की जीत का जश्न देखने गए, भगदड़ मची भी मगर आप बचकर आ गए। ठाणे से मुम्ब्रा जानेवाली लोकल ट्रेन में लटक कर जानेवालों में आप भी तो थे, चार-छह गिरकर मरे। आप बच गए। रोज़ लटक कर जाते हो, रोज जिंदा वापस आ जाते हो। कितनी बधाईयां दें आपको, हर दिन घर से निकलते हो, हर पल मौत का सामना करते हो, हर बार बचकर निकल आते हो।

उस रोज़ सरकारी डिस्पेंसरी वालों ने आपको नकली दवाएँ खिला दीं तब भी बच गए आप। आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता है मगर प्रतिरोध का साहस नहीं है। उज्जैन-इंदौर के बीच पचास किलोमीटर की दूरी में बत्तीस घंटे जाम में फंसे रहे, आपके हमराही उसी जाम में वहीं मर गए, आप बच गए। और तब तो चमत्कार ही हो गया जब स्ट्रीट लाईट बंद थी, सड़क के बीचोंबीच गड्ढे में आपकी एक्टिवा गिरी, आपको सिर में गहरी चोट लगी और आपका सीटी स्कैन नार्मल निकला। सोचो सीईओ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को अपने विभाग की विफलता पर कितना दु:ख हुआ होगा। उसकी मेहर से खड़ा होर्डिंग गिरा आप पर और आप बाल-बाल बच गए। आपके बच जाने से अस्पताल प्रशासन भी कम दुखी नहीं है, आप एडमिट थे कि आग लग गई। अबोध नवजात शिशु तक मर गए मगर किस्मत आपको फिर बचा ले गई वरना प्रशासन ने अपनी तरफ से कोई कसर बाकी रखी नहीं थी। आपके पार कर लेने के कुछ ही पलों बाद पुल भरभरा कर गिर पड़ा, फिर बच गए आप। पुरखों से विरासत में मिले जल-जंगल से झोपड़ी सहित बेदख़ल कर दिए गए आप तब भी मर जाने की नहीं सोची आपने। शहर में आकर झुग्गी तान ली। बुलडोज़र आपकी उस झुग्गी को भी जमींदोज़ करके चला गया। मलबे पर बैठी आपकी जिजीविषा ने आपको तब भी जिलाए रखा। कोई तो अदृश्य शक्ति है जो प्रशासन की मर्ज़ी के विरुद्ध जाकर भी बार बार आपको मौत मुँह से निकाल लाती है।

और एक बात, आर्यावर्त में जिंदा रहने के जोग कुंडली में सुपर टॉप क्लास लोग लिखाकर लाते हैं। शांतिबाबू, आप जैसा मामूली से भी कमतर आदमी जितना जिंदा रह जाए उतना एक संयोग है। संयोग है कि कभी फेक एनकाउंटर के शिकार बने नहीं आप, गंदगी साफ़ करने के दौरान चैंबर की गैस में दम घुटा नहीं आपका, रेट-माईनर्स की तरह खदान में घुटकर भी नहीं मरे। सिस्टम की तमाम कोशिशों के बावजूद आप मणिपुर में भी जीवित रह जाते हो, उरी-पुंछ-राजौरी में भी, बिहार की बाढ़ में भी, वायनाड के जल प्रलय में भी, तेलंगाना के कारखानों की आग में, हरदा की पटाखा फेक्ट्री के विस्फोट में भी। जिंदा हैं तो शांतिबाबू हैं, मर जाते तो पानी के एक बुलबुले सी खबर बन कर रह जाते, एक बेमतलब का नाकाबिल-ए-ज़िक्र आँकड़ा। खुश रहिए कि रेंगती-घिसटती ही सही लाईफ चल तो रही है।

बहुत खुश भी मत होईए, बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी। निज़ाम की बद्नज़र से कब तक बचोगे शांतिबाबू। रेल भी यहीं है, गिरने वाले पुल भी, गढ्ढ़ों वाली सड़क भी, निज़ाम भी यही है, उसका बुलडोज़र भी यहीं है। एक दिन सिस्टम आपकी बलि तो लेकर रहेगा। देखते जाईए आप भी यहीं हैं और हम भी।

जननायक को ट्विटर पर शोक सन्देश लिख देने के सुख से लम्बे समय तक वंचित नहीं रख सकेंगे आप। तब तक के लिए बहुत-बहुत बधाई।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम भाग-1

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सभी सिफारिशों पर अमल नहीं

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि इसलिए, बाहरी ताकतें जो कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करने से रोकती हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि जो भी कार्यवाही लंबित है, उसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योग्यता और केवल योग्यता पर विचार किया जाए, न कि बाहरी विचारों पर।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने हाल ही में कॉलेजियम सिस्टम की आलोचनाओं का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह धारणा कि केवल न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं एक गलत धारणा है। वास्तव में कुछ अज्ञात ताकतें हैं, जो जजों की नियुक्ति में बाधा डालती हैं। न्यायाधीश दत्ता ने रेखांकित किया कि इन बाहरी ताकतों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। न्यायाधीश दत्ता ने कहा कि हमें समाज को यह बताने की जरूरत है कि अगर न्यायाधीश ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते तो सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की सभी सिफारिशों पर अमल किया जाता। लेकिन, ऐसा नहीं होता। जब मैं 2019 में कलकत्ता उच्च न्यायालय कॉलेजियम का सदस्य था, तो हमने एक वकील को हाई कोर्ट जज के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी। लेकिन, उस पर अभी तक अमल नहीं हुआ है। उसे 6 साल हो गए, ऐसा क्यों होता है! कोई भी इस पर सवाल नहीं उठाता।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि इसलिए, बाहरी ताकतें जो कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करने से रोकती हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि जो भी कार्यवाही लंबित है, उसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योग्यता और केवल योग्यता पर विचार किया जाए, न कि बाहरी विचारों पर। न्यायमूर्ति दत्ता ने भारत के मुख्य न्यायाधिपति (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई से इस तरह की गलत धारणा को दूर करने और कॉलेजियम प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने का आग्रह किया कि न्यायाधीश न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम इस गलत धारणा को दूर करें कि न्यायाधीश न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। कॉलेजियम प्रणाली के आलोचक मुखर रहे हैं। कॉलेजियम प्रणाली क्यों नहीं होनी चाहिए! न्यायमूर्ति दत्ता ने तब बताया कि कैसे बॉम्बे हाईकोर्ट के तीन चीफ जस्टिस को 1980 के दशक में कॉलेजियम पूर्व प्रणाली द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए भी योग्य नहीं माना गया था।

मुझे पिछली सदी के 1980 के दशक में वापस जाना चाहिए। मुझे चीफ जस्टिस एमएन चंदुकर, चित्तदोष मुखर्जी और पीडी देसाई को याद करने दें। ये लोग इन मुख्य न्यायाधीशों और यहां तक कि अन्य लोगों के समक्ष वकालत करते हैं, वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि वे 1980 के दशक में सर्वोच्च न्यायालय में आने वाले न्यायाधीशों से किसी भी तरह से कम नहीं थे। क्या कोई प्री-कॉलेजियम प्रणाली पर सवाल उठाता है? हम केवल 1974 में केशवानंद भारती निर्णय से ठीक पहले एक न्यायाधीश द्वारा इन तीन न्यायाधीशों के अधिक्रमण और फिर जस्टिस एचआर खन्ना के बाद सर्वोच्च न्यायालय के अगले न्यायाधीश द्वारा अधिक्रमण का उल्लेख करते हैं। लेकिन, कोई भी यह सवाल क्यों नहीं उठाता कि चीफ जस्टिस चंदुकर, चीफ जस्टिस मुखर्जी या चीफ जस्टिस देसाई सर्वोच्च न्यायालय में क्यों नहीं आ सके?

कॉलेजियम के न्यायाधीशों ने भी कहा कि यह प्रणाली अपारदर्शी है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि अब हम पारदर्शिता लाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं कहूंगा कि अपारदर्शिता से प्रणाली अब पारदर्शी हो गई है। लेकिन, न्यायमूर्ति दत्ता ने मुख्य न्यायाधिपति से कहा कि महोदय, आपके अधीन हम उम्मीद करते हैं कि एक पारदर्शी प्रक्रिया होनी चाहिए। जैसा कि आपने बार-बार कहा कि योग्यता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। इसका पालन किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति दत्ता की चिंताओं का जवाब देते हुए, सीजेआई गवई ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट के वरिष्ठ

न्यायाधीश जस्टिस अतुल चंदुरकर की सर्वोच्च न्यायालय में सबसे हालिया नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता का जीवंत उदाहरण है।

भारत के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा कि हम पारदर्शिता का पालन कर रहे हैं। हम उम्मीदवारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम पाते हैं कि बातचीत अपने तरीके से काम करती है। हमने वरिष्ठता और योग्यता को बनाए रखने का प्रयास किया है। इसका एक जीवंत उदाहरण जस्टिस अतुल चंदुरकर की सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति है। दोनों न्यायाधीश नागपुर स्थित हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीजेआई गवई के अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। अपने विस्तृत भाषण में न्यायमूर्ति दत्ता ने यह भी बताया कि हमारे गतिशील समाज में न्याय सुनिश्चित करने के साधन के रूप में न्यायिक सक्रियता कायम हो गई है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि अब कभी-कभी, सक्रियता न्यायिक दुस्साहस की ओर बढ़ जाती है। अगर यह आगे बढ़ जाती है, तो आलोचक कहते हैं कि यह न्यायिक आतंकवाद के बराबर है। चूंकि मुख्य न्यायाधिपति ने यह चिंता व्यक्त की है, इसलिए मैं अपने पूर्व सहयोगियों और आज उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करना चाहता हूं कि हमेशा 5 सिद्धांतों डी (धर्म), एस (सत्य), एन (नितिन), एन (न्याय) और एस (शांति) को याद रखें। इन सिद्धांतों की व्याख्यता करते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने इस बात पर जोर दिया कि धर्म किसी धर्म के बारे में नहीं है, बल्कि धर्मिकता के बारे में है। न्यायाधीशों को हमेशा वही करना चाहिए, जो सही और उचित है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को हमेशा सत्य की खोज करने का प्रयास करना चाहिए। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि एन का अर्थ है नीति, जिसका अर्थ है कानून, संविधान, कानून, मिसाल के सिद्धांत।

हमें भूलना नहीं चाहिए और इसके बजाय हमें इन सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। अन्यथा आलोचक कहेंगे कि हम सीमा लांघ रहे हैं और इस प्रकार सिद्धांतों का पालन करके हम न्यायिक आतंकवाद की लक्ष्मण रेखा को पार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरा एन न्याय को संदर्भित करता है, जो मूल रूप से न्याय की वह गुणवत्ता है जो न्यायाधीश अपने समक्ष व्यक्तियों को प्रदान करते हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ''और यह सब (डीएसएनएन) अंतिम एस को सुनिश्चित करने के लिए है जो शांति है, समाज में शांति। हम समाज में एक महत्वपूर्ण हितधारक हैं और हमें अन्य अंगों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि हमारे आदेशों के कारण कोई अशांति न हो।

अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक

मुहर्रम विशेष

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पूरी दुनिया में इन दिनों इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम के दौरान करबला की दास्तान याद की जा रही है। 680 ईस्वी अर्थात मुहर्रम 61 हिजरी में इराक़ में करबला स्थित मैदान फ़ुरात नदी के किनारे पैगंबर हज़रत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन व उनके परिवार के लगभग 72 सदस्यों को सीरिया के तत्कालीन तानाशाह यज़ीद की सेना ने उसके आदेश पर बड़ी ही बेरहमी से 10 मुहर्रम यानी आशूरा के दिन तीन दिन का भूखा प्यासा क़त्ल कर दिया था। उसके बाद उनके परिवार के तंबुओं को जलाया व लूटा गया । बाद में इमाम हुसैन के परिवार, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बंदी बनाकर कूफ़ा और फिर सीरिया ले जाया गया। इस दौरान उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। उन्हें रास्ते भर यातनायें दी गयीं उनके सरों से चादरें छीनी गयीं,हाथों में हथकड़ियां,रस्सियां व पैरों में बेड़ियाँ डाली गयीं। ग़ौरतलब है कि हज़रत मुहम्मद के घराने के साथ घोर अत्याचार करने वाला उस समय का तानाशाह यज़ीद पुत्र मुआविया स्वयं भी मुसलमान था और उसकी सेना के अत्याचारी सदस्यों में भी अनेक हाफ़िज़,क़ारी और लंबी लंबी दाढ़ियों वाले धर्मगुरु सरीखे अनेक मौलवी शामिल थे। यज़ीद अपने समय का एक शक्तिशाली परन्तु क्रूर,अधर्मी,अय्याश शासक था। वह अपनी ताक़त के बल पर अपनी सत्ता चलने के लिये हज़रत इमाम हुसैन का समर्थन चाहता था। परन्तु हज़रत हुसैन ने उसकी दुष्ट की ताक़त की परवाह नहीं की और उसके हाथों पर बैयत करने से इंकार कर दिया।

हज़रत हुसैन की शहादत और करबला की घटना को पूरे विश्व के सभी धर्मों व विश्वास के लोग पूरी श्रद्धा व सम्मान से देखते हैं। इस घटना को धर्म के बजाय इतिहास से जुड़ी विश्व की अभूतपूर्व घटना होने के नाते पूरी दुनिया के साहस, बलिदान और अन्याय के ख़िलाफ़ संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि विभिन्न धर्मों के लोग हज़रत हुसैन की नैतिकता, मानवता और सत्य के लिए उनके बलिदान की प्रशंसा करते हैं। भारत में मुहर्रम पर हिंदुओं की मुहर्रम में भागीदारी व उनके द्वारा श्रद्धा पूर्वक की जाने वाली ताज़ियादारी की परंपरा देश की सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वयता को दर्शाती है। ताज़िया, इमाम हुसैन के मक़बरे का प्रतीकात्मक स्वरूप है जो भारत में हिंदू-मुस्लिम एकता का भी प्रतीक है। मुहर्रम में ताज़ियादारी की परंपरा को ग्वालियर के सिंधिया परिवार जैसे हिंदू राजघरानों ने भी पूरी श्रद्धा के साथ अपनाया। वे न केवल ताज़िया बनवाते थे, बल्कि जुलूसों में भी शामिल होते व इसे अपनी मन्नतों और आस्था से जोड़कर देखते थे। जबकि मुस्लिम शासक होने के बावजूद औरंगज़ेब ने अपने शासनकाल में मोहर्रम के जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया था। मध्य प्रदेश (ग्वालियर) के अलावा भी भारत में कई क्षेत्रों, विशेषकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय ताज़ियादारी में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

इसी तरह इतिहास में हिंदू समुदाय, से जुड़े 'हुसैनी ब्राह्मण,' का ज़िक्र मिलता है। कहा जाता है कि हुसैनी ब्राह्मण करबला की जंग में हज़रत इमाम हुसैन के पक्ष में लड़े थे। इसीलिये इनके वंशज आज भी मुहर्रम में मजलिस मातम करते हैं व हुसैन की याद में ताज़िया निकालते हैं। बताया जाता है कि सिंध के हिन्दू राजा राहिब दत्त निःसंतान थे। वे संतान हेतु दुआओं की आस लेकर हज़रत इमाम हुसैन की सेवा में हाज़िर हुये। हज़रत इमाम हुसैन के आशीर्वाद से राहिब दत्त के घर एक दो नहीं बल्कि सात पुत्रों की प्राप्ति हुई। इसके कारण राजा राहिब दत्त की इमाम हुसैन के प्रति अटूट श्रद्धा हो गयी। बाद में जब राजा राहिब दत्त को पता चला कि करबला में हज़रत इमाम हुसैन को उनके परिवार के 72 लोगों के साथ ज़ालिम यज़ीद ने घेर लिया है। तो राजा राहिब दत्त अविलंब हिन्दू सैनिकों की अपनी सेना लेकर करबला के लिये प्रस्थान कर गये। परन्तु उनके करबला पहुँचने तक देर हो चुकी थी। हज़रत इमाम हुसैन अपने साथियों के साथ शहीद किये जा चुके थे। इस घटना से अत्यंत दुखी व आहत राहिब दत्त ने यज़ीद से बदला लेने का फ़ैसला किया। उन्होंने वहाँ के हुसैन समर्थक एक बहादुर योद्धा अमीर मुख्तार को साथ लिया। जब उन्हें सूचना मिली कि यज़ीदी फ़ौज लुटे हुये हुसैनी क़ाफ़िले के साथ इमाम हुसैन का कटा हुआ सिर लेकर कूफ़ा (इराक़ी शहर) की तरफ़ जा रही है। उस समय राहिब दत्त की सेना ने कड़ा संघर्ष कर इमाम हुसैन का सिर पुनः प्राप्त कर लिया। मोहयाल अथवा कश्मीरी ब्राह्मण, हज़रत इमाम हुसैन से अपने इसी संबध के कारण स्वयं को आज भी बड़े गर्व से हुसैनी ब्राह्मण कहते हैं।

संयोग से पिछले दिनों मुझे भी इराक़ में कूफ़ा स्थित उस ऐतिहासिक स्थान पर जाने का अवसर मिला जिसे मस्जिद-ए-हनाना के नाम से जाना जाता है। यह वही जगह है जहां इमाम हुसैन की शहादत के बाद उनका कटा सिर करबला से यज़ीद के दरबार (दमिश्क, सीरिया) ले जाया जा रहा था.उसी समय नजफ़ के क़रीब इसी जगह पर इमाम हुसैन का कटा हुआ पवित्र सिर रखा गया था। आज यह मस्जिद सभी धर्मों के लोगों के लिये एक पवित्र तीर्थस्थल है, क्योंकि यह करबला की मार्मिक घटना की याद दिलाती है।यहाँ प्रतिदिन विभिन्न धर्मों व देशों के लाखों तीर्थ यात्री आते हैं श्रद्धापूर्वक अपना शीश नवाते व प्रार्थनाएं करते हैं।

इसी तरह सिख धर्म में भी इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान दिया जाता है। कई सिख इतिहासकारों और विद्वानों ने करबला की घटना को सिख धर्म के सिद्धांतों से मेल खाने वाली सत्य और न्याय के लिए लड़ी गयी लड़ाई के रूप में वर्णित किया है। इसीलिये पंजाब में कुछ गुरुद्वारों में मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन की याद में विशेष आयोजन किए जाते हैं। इसी तरह विशेष रूप से मध्य पूर्व और भारत में कुछ ईसाई समुदाय के लोग भी इमाम हुसैन की शहादत को एक सार्वभौमिक बलिदान के रूप में देखते हैं। लेबनान जैसे देश में, जहाँ विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं यहां ईसाई समुदाय के लोग भी आशूरा के आयोजनों में शामिल होते हैं और इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान देते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भारत में पारसी और जैन समुदाय के कुछ लोग भी मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हैं। पंजाब के होशियारपुर में सूफ़ी राज जैन नामक एक हुसैनी भक्त ने तो अपनी क़ीमती ज़मीन बेचकर इमामबाड़ा निर्मित कराया है। और उनका पूरा परिवार हुसैन की याद में यहाँ मजलिस मातम जुलूस व ताज़ियादारी सब कुछ पूरी श्रद्धा से करता है।

वास्तव में इमाम हुसैन की शहादत एक ऐसी घटना है जिसे धार्मिक संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता, सत्य, और न्याय के लिए उनके बलिदान के रूप में पूरी दुनिया में स्वीकार किया जाता है।

वर्षा जल प्रबंधन हेतु समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक

पर्यावरण

प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी

लेखक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के प्राचार्य हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति में जल को जीवन का आधार माना गया है। जल न केवल प्राकृतिक संसाधन है, अपितु यह सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की धुरी भी है। वर्षा जल, प्रकृति का सबसे महत्वपूर्ण और निःशुल्क उपहार है, जो प्रतिवर्ष भारत के अधिकांश भूभाग में प्राप्त होता है। किन्तु जागरूकता के अभाव और उपेक्षा के कारण अधिकांश भाग उचित प्रबंधन के अभाव में व्यर्थ हो जाता है। इस वर्ष जून माह में देशभर में औसतन 10 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज हुई है जो जल संचयन एवं प्रबंधन की दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में जल संरक्षण, विशेष रूप से वर्षा जल संचयन एवं प्रबंधन भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से है।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून के कारण भारत में जल संकट की स्थिति गंभीर होती जा रही है। नीति आयोग की 'समग्र जल प्रबंधन सूचकांक रिपोर्ट' के अनुसार, देश के 21 प्रमुख शहरों में 2030 तक भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है, जिससे लगभग 10 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, देश के 25 से अधिक शहर 'डे जीरो' यानी पूर्ण जल संकट की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 3880 अरब घन मीटर वर्षा जल प्राप्त होता है, परंतु इसका केवल 8-10 प्रतिशत ही संरक्षित हो पाता है। यदि इस जल का संग्रहीत और पुनर्चक्रण उचित रूप से किया जाए, तो देश की 70 प्रतिशत शहरी और ग्रामीण जल आवश्यकताओं की पूर्ति संभव है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल वार्षिक भूजल संसाधन 398 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है, जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत का निष्कर्षण हो रहा

है। इसके बावजूद, भारत में लगभग 600 मिलियन से अधिक लोग सुरक्षित पेयजल से वंचित हैं। जल की खपत में असंतुलन भी एक बड़ी चुनौती है। देश में निष्कर्षित भूजल का 80 प्रतिशत भाग कृषि क्षेत्र में, 12 प्रतिशत उद्योगों में और केवल 8 प्रतिशत भाग पेयजल के रूप में उपयोग किया जाता है। जल संसाधनों का यह असमान उपयोग जल संकट को और गंभीर बना देता है।

वर्षा जल संचयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू है ड्ड उचित संरचनाओं का चयन और निर्माण, जो किसी क्षेत्र की भौगोलिक, भूगर्भीय और जलविज्ञान संबंधी विशेषताओं पर आधारित होना चाहिए। इसके लिए भूजलविज्ञानियों की विशेषज्ञता, साथ ही आधुनिक तकनीकों जैसे रिमोट सेंसिंग और जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम का उपयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे क्षेत्रीय विश्लेषण तेज़, सटीक और कम लागत वाला बनता है। वर्षा जल संचयन के लिए प्रमुख संरचनाओं में चेक डैम, स्टॉप डैम, गेबियन संरचनाएं, लूज़ बोल्डर स्ट्रक्चर्स, ट्रेंच, तालाब, कुएं, सोख्ता गड्ढे और भूजल रिचार्ज सिस्टम शामिल हैं। पहाड़ी या ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक जलधाराओं को छोटे चेक डैम्स के माध्यम से रोका जाता है ताकि मानसून के दौरान अतिरिक्त जल को संग्रहित कर भूजल स्तर में वृद्धि की जा सके। स्टॉप डैम बड़े जलाशयों के निर्माण, बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, जल विद्युत और पेयजल आपूर्ति के लिए अहम हैं। इसी प्रकार, गेबियन संरचनाएं पानी के प्रवाह की गति को नियंत्रित कर मिट्टी के कटाव को रोकती हैं, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ भूमि संरक्षण भी होता है। तालाब और कुएं परंपरागत संरचनाएं हैं, जिनका उपयोग क्रमशः सतही जल संग्रहण और भूजल पुनर्भरण हेतु किया जाता है। सोख्ता गड्ढे विशेष रूप से शहरी घरों में वर्षा जल को भूमिगत पहुंचाने में सहायक हैं, जिससे भूजल स्तर बढ़ता है।

इन संरचनाओं के प्रभावी निर्माण के लिए भूजल संभाव्य क्षेत्र (ग्राउंडवाटर पोटेंशियल जोन मैपिंग) एक निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह मानचित्रण भूगर्भीय विशेषताओं, ढाल, भूमि उपयोग, लिनियामेंट्स, वर्षा वितरण और जल निकासी घनत्व जैसे अनेक भू-स्थानिक मानकों के आधार पर किया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि किन क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण की संभावना अधिक है और किस प्रकार की संरचनाएं वहाँ प्रभावी हो सकती हैं। इसी कड़ी में, जलग्रहण क्षेत्र प्राथमिकता (वाटरशेड प्रायरिटाइजेशन) भी एक आवश्यक पहलू है, जो विभिन्न जलग्रहण उपक्षेत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण कर यह निर्धारित करता है कि किन क्षेत्रों में पहले जल संरक्षण उपाय अपनाए जाने चाहिए। यह रणनीति संसाधनों के कुशल उपयोग और योजनाओं की चरणबद्ध क्रियान्वयन में मदद करती है।

वर्षा जल आम तौर पर शुद्ध होता है, विशेषकर जब इसे भूमिगत संग्रहण द्वारा संरक्षित किया जाए। इससे भूजल की गुणवत्ता बेहतर होती है और जल की कठोरता में कमी आती है। वर्षा जल संचयन का एक अन्य लाभ है बाढ़ नियंत्रण – जब जल को स्थानीय स्तर पर रोक लिया जाता है, तो निचले क्षेत्रों में जलभराव की संभावना कम होती है। जल संरक्षण के पारंपरिक उपाय जैसे कुंए, बावड़ियाँ, तालाब और जलाशय आज फिर से प्रासंगिक हो गए हैं। आधुनिक तकनीक और परंपरागत ज्ञान को समाहित कर सामुदायिक भागीदारी से वर्षा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाये जाने की आवश्यकता है। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना तथा कैच द रेन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में मध्य प्रदेश शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान जलग्रहण आधारित विकास और भूजल प्रबंधन की दिशा में सराहनीय पहल है। वर्षा जल संचयन एवं प्रबंधन केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, अपितु जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता का मूलाधार है। इस क्षेत्र में आशातीत परिणाम हेतु वैज्ञानिक विश्लेषण, पारंपरिक ज्ञान और जनभागीदारी के समन्वित दृष्टिकोण को अपनाये जाने की आवश्यकता है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पौधरोपण किया

धार। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती , विधायक नीना विक्रम वर्मा, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने एक पेड़-माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मांडू रोड़ स्थित रेशम केंद्र परिसर धार में पौधारोपण किया गया। इस दौरान अभियान संयोजक देवेंद्र सोनाने, मंडल महामंत्री अमित शर्मा, हुकुम लश्करी, देवेंद्र रावल, सोनिया राठौर बादल मालवीय, महेश तुलसीराम बोडाने,सीमा सोनी, रीमा राठौर, प्रज्ञा ठाकुर, सोनिया राठौर वन विभाग के अधिकारी समेत नगर पदाधिकारी उपस्थित रहें।

मेधावी योजना के तहत एमएलबी स्कूल की छात्रा को मिली लैपटॉप की राशि

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन द्वारा मेधावी छात्रों के लिए शुरू की गई मेधावी योजना के अंतर्गत एमएलबी स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा सुश्री नंदिनी राठौर को 25 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है, जिसे वह अपने अध्ययन के लिए लैपटॉप खरीदने में उपयोग करेंगी। यह राशि नंदिनी को उनके कक्षा 12वीं की परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर दी गई है। नंदिनी राठौर ने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि उनके लिए एक बड़ी मदद साबित होगी। उन्होंने बताया कि लैपटॉप की सहायता से उन्हें अपनी आगामी शिक्षा में और भी बेहतर तरीके से पढ़ाई करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही डिजिटल शिक्षा के इस दौर में लैपटॉप जैसे उपकरण उनके शैक्षिक विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार की मेधावी योजना छात्रों को उनके कठिन परिश्रम का सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस योजना के तहत जो छात्र कक्षा 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, उन्हें लैपटॉप जैसे संसाधन प्राप्त होते हैं, जो उनके भविष्य को संवारने में मदद करते हैं।

हितैषी और अनुपम ने जिला का नाम किया रोशन

सुराणा परिवार के पुत्र और सुपुत्री की सफलता

बैतूल। शहर के प्रमुख कपड़ा व्यवसायी और शिक्षा विभाग में सहायक जिला शाला निरीक्षक के पद से सेवानिवृत्त प्रेमचंद सुराणा के सुपौत्र एवं पौत्री ने शिक्षा जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। प्रेमचंद सुराणा के पुत्र पंकज सुराणा के सुपुत्र अनुपम सुराणा ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है वहीं उनकी बेटी हितैषी सुराणा ने मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इनकी उपलब्धि की पर सीए विजय माथनकर, डॉ.एसआर पाटनकर, प्रेमशंकर मालवीय, अरविंद मालवीय, प्रदीप मालवीय, बीआर राने, श्याम जोशी, एचपी उरमालिया, गणेश दत्त जोश, अजीत शुक्ला, आरडी अग्रवाल, रामनारायण यादव, आरके सोनी सहित इष्ट मित्रों और परिजनों ने बधाई दी है।

लूट का फरार आरोपी रायपुर से किया गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने लूट के मामले में एक वर्ष से फरार आरोपी को रायपुर से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया ने बताया 30 जनवरी 2024 को बैतूल निवासी आभा पति नारायण पाठा ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह स्कूटी से बच्चों को एलएफएस स्कूल के पास स्थित उनकी नानी के घर से लेकर आ रही थी। जैसे ही वह लावण्या पैथालॉजी के सामने वाली गली में पहुंची, तभी एक अज्ञात व्यक्ति एक्टिवा क्रमांक एमपी 41 जेडसी 7672 से आया और गले से सोने का मंगलसूत्र छीनकर भाग गया। पीछा करने पर रास्ता बंद होने के कारण वह अपनी स्कूटी छोडक़र फरार हो गया। पूर्व में इस प्रकरण में आकाश 29 पिता सत्यनारायण साहू निवासी कलमना, जिला नागपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। पूछताछ में आरोपी आकाश ने बताया कि लूट का मंगलसूत्र मोहित गुप्ता के पास है। सूचना के आधार पर आरोपी मोहित गुप्ता पिता संतोष गुप्ता निवासी पुराना कामठी रोड नागपुर (महाराष्ट्र) को शनिवार को रायपुर से गिरफ्तार किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के प्रथम नगर आगमन पर दुल्हन की तरह सजा बैतूल

फूल मालाओं, बैंड बाजे और तुलादान कर कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

बैतूल। विधायक बैतूल और नवनियुक्त भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का रविवार को अपने गृह नगर बैतूल में प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम नगर आगमन हुआ। बैतूल में उनके स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई थी। जगह-जगह बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स लगाये गये थे। वहीं हजारों भाजपा कार्यकर्ता और उनके समर्थक स्वागत के लिए हाईवे और मुख्य मार्गो पर फूलमालाओं और बैंडबाजे के साथ खड़े रहे। वैसे स्वागत की यह श्रंखला श्री खंडेलवाल के भोपाल से प्रस्थान करने के बाद ही शुरू हो गई थी, लेकिन बैतूल में उनके स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गई थी। श्री खंडेलवाल ने जैसे ही बैतूल की सीमा में प्रवेश किया, कार्यकर्ताओं के स्वागत का दौर शुरू हो गया। सुबह भोपाल से निकलने के बाद रास्ते में पडने वाले हर शहर और कस्बे में अपने नेता के स्वागत के लिए जनसमुदाय उमड़ पडा। बैतूल नगर की सीमा से भाजपा कार्यालय तक एक सैकड़ा से अधिक जगह भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संगठनों एवं अन्य संस्थाओं ने हेमंत खण्डेलवाल का उत्साह से स्वागत किया। जयप्रकाश चौक में तुलादान भी किया गया।

जिले की सीमा पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री: भोपाल मार्ग पर बैतूल जिले की सीमा धार ग्राम से शुरू होती है। मिली जानकारी के अनुसार बैतूल से केंद्रीय मंत्री डीडी उइके एवं जिला भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पंवार, जिला मंत्री कृष्णा गायकी सहित अन्य पदाधिकारी पहुंचे। हेमंत खण्डेलवाल के धार पहुंचने पर इन सभी नेताओं ने उनका स्वागत किया और उनके साथ बैतूल की ओर रवाना हो गए। बरेठा में स्वागत कार्यक्रम हुआ। नीमपानी में आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार अपने समर्थकों के साथ श्री खंडेलवाल का स्वागत किया। जिला भाजपा सहकोषाध्यक्ष दीपू सलूजा भी उपस्थित रहे। नीमपानी पहुंचने पर हेमंत खंडेलवाल का ग्रामवासियों के अलावा मुलताई से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इसके बाद पाढर में भी श्री खण्डेलवाल का भव्य स्वागत किया।

भारत भारती में किया पौधरोपण

भारत भारती आवासीय विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जन अभियान परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष मोहन नागर की उपस्थिति में हेमंत खण्डेलवाल का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर आसपास के कई ग्रामों के कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। श्री खंडेलवाल द्वारा भारत भारती आवासीय विद्यालय में पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर मरामझिरी और धाराखोह के अनेक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। बैतूल की सीमा पर सोनाघाटी फारेस्ट बेरियर के सामने नगरपालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर एवं पार्षद पवन यादव के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बाबा माकोडे, पूर्व जिलाध्यक्ष बबला शुक्ला, प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी अबीजर बोहरा ने भी श्री खंडेलवाल का जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया।

यहां भी हुआ प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

शिवाजी चौक पर नपाध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर के नेतृत्व में कुनबी समाज सेवा संगठन के जिला अध्यक्ष मुन्ना मानकर द्वारा स्वागत किया गया। भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजू पवार के नेतृत्व में

उनके प्रतिष्ठान आरबी मिनी मॉल परिसर में ऐतिहासिक रूप से उनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं व्यापारी संघ बैतूल गंज के दीपक दीपू सलूजा एवं कुशकुंज अरोरा ने समस्त व्यापारी बंधुओं के द्वारा दिलबहार चौक गंज पर नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। प्रॉपर्टी एसोसिएशन के संदीप सोनी एवं अनिल खवसे के नेत ृत्व में गंज कन्या शाला परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं पत्रकार कल्याण परिषद जिला इकाई बैतूल के वरिष्ठ पत्रकार संभागीय प्रभारी राधेश्याम सिन्हा, महासचिव वरिष्ठ पत्रकार संजय द्विवेदी एवं ब्लाक अध्यक्ष डीआर विक्की लिल्लोरे द्वारा श्री खंडेलवाल का ऐतिहासिक स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आरबी मिनी मॉल में हुआ भव्य स्वागत, पुष्पवर्षा कर फलों से किया तुलादान

बैतूल। विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जब वे पहली बार नगर पहुंचे तो पूरा माहौल उत्सव में तब्दील हो गया। भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजू पवार के नेतृत्व में उनके प्रतिष्ठान आरबी मिनी मॉल परिसर में ऐतिहासिक रूप से उनका भव्य स्वागत किया। अपने नेता के स्वागत की तैयारी में कार्यकर्ताओं ने परिसर को बड़े-बड़े अभिनंदन बैनरों और पोस्टरों से सजा दिया था। जैसे ही हेमंत खंडेलवाल परिसर में पहुंचे, तो स्वागत गीत बजाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हेमंत खंडेलवाल जिंदाबाद के नारों से आसमान गुंजा दिया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के स्वागत के बाद आरबी मिनी मॉल की संचालिका श्रीमती बिंदु पवार ने हेमंत खंडेलवाल का तिलक कर आरती उतारी। इस अवसर पर हेमंत खंडेलवाल का फ लों से तुलादान कर विशेष सम्मान किया गया।

डॉ.मुखर्जी ने भारत को एकता के सूत्र में बांधा : जिला पंचायत उपाध्यक्ष

निबंध और प्रश्नोत्तरी संपन्न, विजेताओं का किया सम्मान

बैतूल। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर मेरा युवा भारत बैतूल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, भाजपा महामंत्री पर्वत धोटे, खेल युवा कल्याण विभाग से श्रीमती पूजा कुरील के आतिथ्य में और मेरा युवा भारत बैतूल की जिला अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भूपेंद्र पवार ने कहा कि आज भारत को अनेकता में बिखरने से रोकने में डॉक्टर मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान है। हंसराज धुर्वे ने कहा कि भारत को एक सूत्र में बांधने का श्रेय डॉ.मुखर्जी को जाता है। पर्वत धोटे ने कहा कि श्याम प्रकाश मुखर्जी के किए गए कार्यों अनुकरणीय है। सुषमा गवली ने डॉ. मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका एक सादगी पूर्ण जीवन जो की हमें जीने की एक विशेष कल प्रदान करता है। इस अवसर पर निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही सामूहिक रूप से एक पौधे का रोपण भी किया और प्रभात फेरी निकाली। कार्यक्रम का संचालन धनंजय सिंह ठाकुर द्वारा व आभार सुशील उदयपुरे द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर खेल युवा कल्याण विभाग से रामनारायण शुक्ला, राधे लाल बनखेड़े, तपेश साहू, हुकुमचंद कलभोर, आशीष कोकने, तपेश साहू, अजय मिश्रा, महेन्द्र सोनकर, हेमन्त विश्वकर्मा, निहारिका चौहान, विशाखा, शिवानी सोनकर, प्रेरणा माथनकर, सुरभि मोहोबे, जयश्री शेषकर,संजना धुर्वे, अश्वनी उईके सहित बड़ी संख्या में युवा मंडल व महिला मंडल व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में पौधारोपण, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव पारित

सेवानिवृत्त पेंशनर्स को दिलाई एसोसिएशन की आजीवन सदस्यता

बैतूल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन बैतूल की मासिक बैठक रविवार 6 जुलाई को आयोजित की गई। बैठक में पेंशनर्स साथियों एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सिविल लाइन बैतूल मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक कपिल येवले एवं सहायक प्रबंधक सरिता पाटिल का भी विशेष सम्मान किया गया। सेवा निवृत्त वरिष्ठ पेंशनर प्रो. महेश मेहता का भावनात्मक आत्मीय स्वागत किया गया, वहीं हाल ही में सेवानिवृत्त हुए अशोक कुमार बोरखड़े, उत्तम कुमार ठाकरे, मनोहर पारधे, नंदकिशोर पंवार, मानिकराव पंडोले, एस. पचोरी, पी.के. देशमुख सहित अन्य पेंशनर्स को भी अभिनंदन पत्र एवं शाल-श्रीफल से सम्मानित किया गया। सभी को स्वस्थ, सुखद व दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। पूर्व जिला एवं संभागीय अध्यक्ष स्व.रामचरण साहू की धर्मपत्नी राधा साहू का भी स्वागत किया गया। एसोसिएशन की आजीवन सदस्यता सेवा निवृत्त पेंशनर्स साथियों को दिलाई गई। बैठक में उपस्थित जिला पेंशन अधिकारी मीनाक्षी डाहरे ने अपने हस्ताक्षर से सभी सम्मानित पेंशनर्स को अभिनंदन पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दीं। जिनकी वार्षिक सदस्यता समाप्त हो रही थी, उन्होंने आजीवन सदस्यता ले ली।प्रांतीय स्तर से ज्ञापन की आगामी मांग पत्र प्राप्त होने पर रणनीति तैयार करने का निर्णय लिया गया।

यह मांगपत्र सांसद-केंद्रीय राज्यमंत्री, विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य विधायकों के माध्यम से मुख्यमंत्रीद्वय मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ तथा भारत सरकार के प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। वरिष्ठ संरक्षक अनिरुद्ध दुबे ने पौधारोपण, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, शिक्षक दिवस जैसे कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सहयोग राशि स्वेच्छा से देने के प्रस्ताव पर भी सभी ने सहमति जताई। जिला अध्यक्ष सुन्दरलाल कड़वे ने आगामी कार्ययोजना के लिए जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन शीघ्र करने की घोषणा की। साथ ही लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु प्रतिनिधिमंडल संबंधित कार्यालयों से संपर्क करेगा।

तहसील शाखा अध्यक्षों से आग्रह किया गया कि 5 जुलाई की जिला स्तरीय बैठक में पारित प्रस्ताव एवं 2 जुलाई की प्रांतीय बैठक की कार्यवाही के अनुसार आगामी रणनीति तैयार करें।स्व.रामचरण साहू के पुत्र उमेश साहू ने अपने पिता की स्मृति व अपने जन्मदिन के अवसर पर चार विशेष कुर्सियां एसोसिएशन को भेंट कीं। वहीं श्रीमती उषा जैन ने अपने नाती के जन्मदिन पर 1100 रुपये की सहयोग राशि स्वेच्छा से दी। अन्य पेंशनर्स साथियों ने भी सहयोग राशि प्रदान की। बैठक में एक सैकड़ा से अधिक पेंशनर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार के साथ सभी का आभार जिला अध्यक्ष सुन्दरलाल कड़वे ने व्यक्त किया। अंत में दिवंगत पेंशनर्स को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर धार विधायक नीना वर्मा ने ग्रामीणों को पानी के टैंकर वितरित किए

ग्राम पंचायत ज्ञानपुरा, नाननखेड़ा और खरसोड़ा को मिले टेंकर

धार। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर धार विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक नीना वर्मा ने ग्राम पंचायत ज्ञानपूरा, नाननखेड़ा और खरसोड़ा कों पानी के टैंकर वितरित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया और कहा कि गाँव में नल-जल योजना से घरेलू जरूरतों के लिए पानी उपलब्ध तो है, लेकिन सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों जैसे विवाह, उत्सव, सामूहिक भोज आदि के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में टैंकर मिलने से गाँव वासियों की यह बड़ी समस्या दूर हो गई है। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष शुभम पाटीदार, स्थानीय कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। विधायक नीना वर्मा ने इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों की जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि यह पहल ग्रामीण विकास और जनता की

समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान और उनके सपनों के भारत निर्माण में उनके योगदान को भी याद किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हमारे राष्ट्र और भाजपा के पितृ पुरुष हैं, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर डॉ. मुखर्जी ने भारत के एकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके विचार और बलिदान हम सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। विक्रम वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा करना ही डॉ. मुखर्जी के सपनों के 'एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में एक कदम है। इस सोच के साथ भाजपा सरकार हर वर्ग के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के लिए संकल्पित है। गांव के पुरुषो और महिलाओं ने विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल से सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाली पानी की समस्या का समाधान हो गया है, जिससे गाँव में खुशहाली का माहौल है।

जिले में अभी तक 223.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 223.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 164.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 6 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 28.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 06 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 18.4, घोड़ाडोंगरी में 83.0, चिचोली में 11.0, शाहपुर में 73.2, मुलताई में 24.4, प्रभात पट्टन में 9.2, आमला में 22.0, भैंसदेही में 23.0, आठनेर में 10.1 तथा भीमपुर में 10.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर भाजपा पदाधिकारियों ने स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए

धार। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर 6 जुलाई रविवार को केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर ,भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, विधायक नीना विक्रम वर्मा व भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने बताया कि श्रद्धेय डॉ मुखर्जी जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए प्राणोत्सर्ग कर जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह सदैव हमारी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा। मुखर्जी महान नेता, शिक्षाविद् और देशभक्त थे, भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की, डॉ.मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के लिए एक देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान की मांग की, आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके योगदान को याद करते हैं। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा जगदीश जाट मनीष प्रधान, अमित शर्मा, सीमा सोनी ,राकी आहूजा देवेंद्र सोनाने हुकुम लश्करी देवेंद्र रावल सोनिया राठौर बादल मालवीय महेश तुलसीराम बोडाने रंजना राठौर दिनेश चौहान शुभम उपाध्याय जीवन यादव विजेंद्र ठाकुर केशव अग्रवाल रीमा राठौर प्रज्ञा ठाकुर गौरव जाट रितेश अग्निहोत्री राहुल परमार , अजय राठौर, शरद पुरोहित सहित भाजपा नगर कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुबेरेश्वर धाम पर प्रशासन द्वारा सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं सभी व्यवस्थाएं

कलेक्टर द्वारा व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए लगाई गई अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी, कुबेरेश्वर धाम की व्यवस्था में लगे अधिकारी-कर्मचारी पूरे समय ड्यूटी पर हैं तैनात

सीहोर (निप्र)। कुबेरेश्वर धाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए न केवल सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं, बल्कि इन व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से संचालन भी किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को कुबेरेश्वर धाम तक आवागमन, पेयजल, पार्किंग, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य सहायता के लिए किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो रही है। सड़क पर यातायात सामान्य गति से चल रहा है। जिन अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है वे सभी सेवाभाव और पूरी मुस्तेदी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

व्यवस्थाओं के लिए लगाई गई है अधिकारियों की ड्यूटी

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार एसडीएम श्री तन्मय वर्मा को संपूर्ण व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार संयुक्त कलेक्टर श्री आनंद सिंह राजावत, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इसके साथ ही कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जनपद सीईओ, बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, नगर पालिका सीएमओ, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री सहित अन्य विभागों को अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर प्रभावी रूप से संचालित की जाएं।

प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने बस दुर्घटना में घायलों से की मुलाकात

बैतूल (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार मुलताई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती बस दुर्घटना के घायलों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने घायलों का हाल जाना और उन्हें हर संभव बेहतर उपचार दिलाने का भरोसा दिलाया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय पर घायलों को अस्पताल पहुंचाने और त्वरित उपचार व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर घायलों को आवश्यकतानुसार बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें शीघ्र स्वस्थ किया जा सके। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने बस दुर्घटना की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को घटनास्थल पर सुरक्षा के सभी वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। ताकि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति दोबारा न हो। इस अवसर पर मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार, श्री सुधाकर पवार, अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव, एसडीएम श्री राजीव कहार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती वर्षा गढ़ेकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज उरमाड़े उपस्थित रहें।

मेडिको लीगल केस एवं पोस्ट मार्टम के संबंध में पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशानुसार वीसी के माध्यम से पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मेडिको लीगल केस एवं पोस्टमार्टम (मेडलेपार) प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिको लीगल केस एवं पोस्ट मार्टम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बारीकियों को समझना आवश्यक है, सभी संबंधित अधिकारी इससे संबंधित जानकारी एवं बारीकियों को ध्यान समझें ताकि इसका बेहतर क्रियान्वयन किया जा सके। प्रशिक्षण सत्र में तकनीकी अधिकारियों द्वारा इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई और संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री शुक्ला ने कहा कि अधिकारियों को तकनीकी प्रशिक्षण मिलने से इसकी प्रक्रिया समय सीमा में पूर्ण हो सकेगी तथा इसमें अनावश्यक समय नही लगेगा। प्रशिक्षण सत्र में सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया, सिविल सर्जन डॉ प्रवीर गुप्ता सहित सभी चिकित्सा अधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, जिसका नेतृत्व हमारी बेटियां करेंगी: प्रभारी मंत्री श्री पटेल

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत जिले के 1127 छात्रों को लैपटॉप के लिए मिली 25-25 हजार की राशि

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार भोपाल से प्रदेश के 94 हजार 324 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार की राशि का अंतरण किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के मुख्य आतिथ्य में जेएच कॉलेज में आयोजित हुआ। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लैपटॉप के लिए 25-25 हजार की राशि से जिले के 1127 छात्र लाभान्वित हुए हैं। आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने छात्रा अक्षिता मालवीय, नंदिनी राठौर, मयंक बेले, लक्ष्मी अतुलकर, स्वाति यदुवंशी, अनीशा बैरागी, लीना यादव, नेहा, रुचि वागद्रे, मानसी पवार को सांकेतिक रूप से चेक और प्रमाण पत्र का वितरण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, अध्यक्ष जिला पंचायत श्री राजा पवार, उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, जिला योजना समिति के सदस्य श्री सुधाकर पवार तथा कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल सिंह कुशवाहा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री विवेक पांडे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहें। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बेटियों ने अपने शौर्य और पराक्रम का अद्भुत परिचय देते हुए देश को गौरवान्वित किया है।

नारी वंदन अधिनियम के तहत अब एक तिहाई सांसद और विधायक हमारी बेटियां होंगी। आज जेएच कॉलेज के सभागार में 75 प्रतिशत से अधिक बेटियां मौजूद हैं। जिसे देखकर मन बहुत प्रसन्न और गदगद हो रहा हैं। वर्ष 2047 तक भारत विकसित भारत बनेगा और इसका नेतृत्व हमारी बेटियां ही करेंगी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। आप निश्चित ही सफल होंगे। किसी कारणवश अगर आप सफल नहीं होते हैं तो अपनी योग्यता और क्षमता का आंकलन कर उपयुक्त क्षेत्र में आगे बढ़े। इसके बावजूद भी सफलता हासिल नहीं होती है तो अपने माता-पिता के कार्यों में मदद करे।

यह आपकी विरासत हैं इसमें आप शत प्रतिशत सफल होंगे। उन्होंने वीर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, अशफ़ाकउल्ला खान, उद्यम सिंह, चापेकर बंधु इत्यादि वीरों को याद करते हुए कहा कि जिन स्वप्न के लिए इन वीरों ने अपने जीवन का बलिदान दिया हैं उस स्वप्न और संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी भावी पीढ़ी की हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य और सुख समृद्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक डॉ.पंडाग्रे ने लैपटॉप की राशि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम जिससे हम अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। हमारे विद्यार्थी इस महत्व को समझकर अच्छे परिणाम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खूब पढ़े और खूब मेहनत करें। विकसित भारत के निर्माण में भावी पीढ़ी की भूमिका सबसे अहम होगी। छात्रों के जीवन के उत्थान में कोई बाधा न आए इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित हैं। विधायक श्री देशमुख ने कहा कि विद्यार्थियों की ज्ञान साधना को बढ़ाने में लैपटॉप उपयोगी साबित होगा। इसके महत्व को समझते हुए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मेधावी छात्रों को लैपटॉप की राशि दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है। जिससे आप अपने जीवन के साथ देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा कर सकते हैं। उपाध्यक्ष श्री धुर्वे ने आदर्श विद्यार्थी के पांच गुण काकचेष्टा, बकोध्यानम, श्वान निद्रा, अल्पाहारी और गृह त्यागी गुण के महत्व के बारे में जानकारी दी और कविताओं के माध्यम से उन्हें भविष्य की बाधाओं से निपटने के प्रेरित किया।

प्रभारी तहसीलदार की नवीन पदस्थापना आदेश जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में पदस्थ नायब तहसीलदार और प्रभारी तहसीलदारों की नवीन पदस्थापना का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के आदेश का हवाला देते हुए अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बताया कि जिले में तीन प्रभारी तहसीलदार एवं एक नायब तहसीलदार के द्वारा कार्य भार ग्रहण करने पर उनकी पदस्थापना आदेश जारी हुआ है वहीं पूर्व पदस्थ एक प्रभारी तहसीलदार की नवीन स्थल पर पदस्थापना की गई है।

उद्यानिकी विभाग की मदद से खतीजा बेगम को मिला अपना व्यवसाय

हरदा (निप्र)। उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना का लाभ लेकर हंडिया की खतीजा बेगम ने सोयाबीन उत्पाद इकाई की स्थापना की। खतीजा बेगम पहले एक साधारण गृहिणी थी। खतीजा के परिवार की आमदनी बहुत कम थी। एक बार उन्हें उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण हरदा में संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

खतीजा बेगम ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर योजना के तहत ऋण प्राप्त करने के लिये आवेदन किया। खतीजा बेगम को पीएमएफएमई योजना के तहत 8 लाख रूपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिससे उन्होने सोयाबीन से बनने वाले उत्पादों ककी एक यूनिट स्थापित की। योजना के तहत विभाग द्वारा खतीजा को 2.80 लाख रूपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ। खतीजा बेगम अब सोयाबीन से बनने वाले उत्पाद बिस्किट, कुकिज आदि का उत्पादन हंडिया में कर रही है। साथ ही अपने इन उत्पादों को हरदा के स्थानीय बाजार, आंगनवाड़ियों व जिम में आने वाले लोगों को सप्लाई कर रही है। खतीजा इन उत्पादों की बिक्री से प्रति माह 12-15 हजार रूपये की आमदनी प्राप्त कर रही है। खतीजा को विश्वास है कि आने वाले समय में वह इन उत्पादों की बिक्री बड़े स्तर पर कर और अधिक आय प्राप्त करेगी।

संक्षिप्त समाचार

पौने चार लाख से अधिक पौधे लगा कर विदिशा प्रदेश में अव्वल

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की निगरानी व मार्गदर्शन में क्रियान्वित एक पेड़ मां के नाम अभियान में विदिशा जिला प्रदेश में अव्वल है। जिले में इस वर्ष अब तक 3 लाख 77 हजार 695 पौधे 27 साइड पर लगाएं जा चुके हैं। गौरतलब हो कि जिले में 9 लाख 61 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वनमंडलाधिकारी ने जिले को टॉप पर बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी जो टारगेट दिए है उसके अनुसार रोपण कर पोर्टल पर जरूर अल्पलोड कर कोई समस्या हो तो 7000912324 से संपर्क कर सकते हैं

टेन्ट डीलर वेलफेयर सोसायटी की वार्षिक सभा का आयोजन

विदिशा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने विदिशा में आयोजित फेडरेशन आफ मध्यप्रदेश, टेन्ट डीलर वेलफेयर सोसायटी की वार्षिक सभा के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कामधेनु मंगलवाटिका में आयोजित वार्षिक सभा का शुभारंभ मंत्री श्री पटेल, विधायक श्री मुकेश टण्डन व अन्य जनप्रतिनिधियों तथा सोसायटी के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मंत्री श्री पटेल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि आधुनिक परिवेश में टेन्टो की बहुउपयोगिता है। घर परिवार सहित सामाजिक स्तरो और धार्मिक आयोजनों सहित छोटे-छोटे समारोह में भी इनकी उपयोगिता स्वयमेव स्थापित हो रही है। उन्होंने व्यवसाय संचालको को शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि प्रगति के सौपानो की ओर अग्रसर हो। जरूरतमंदो को अपनी सेवाएं देने के लिए पीछे ना रहें। कार्यक्रम को विधायक श्री मुकेश टण्डन ने भी सम्बोधित किया। वार्षिक सभा के उपरोक्त कार्यक्रम में फेडरेशन आफ मध्यप्रदेश, टेन्ट डीलर वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए है।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांगजनों के अभिभावकों को किया गया जागरूक

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ पुनर्वास संस्थान में वसुंधरा वैलफेयर फाउंडेशन द्वारा बढ़ते कदम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के अविभावकों को राष्ट्रीय न्यास अधिनियम एवं दिव्यांगजनों के संचालित की जाने वाली योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ ले सकें। कार्यक्रम में निदेशक श्री अखिलेश शुक्ला, श्री महेश यादव, डॉ आशुतोष दीक्षित एवं संस्था संचालक श्री अर्जुन सिंह सहित दिव्यांगजन और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

दो दिवसीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का किया समापन

बैतूल (निप्र)। विद्यार्थियों में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने तथा रचनात्मक सोच को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सांदीपनि कृषि विद्यालय बैतूल बाजार में आयोजित दो दिवसीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का समापन गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर श्री सुधाकर पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन द्वारा प्रत्येक मॉडल का प्रदर्शन का अवलोकन कर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रदर्शनी के अवलोकन उपरांत प्रदर्शनी में चयनित बैतूल के 9 मॉडल एवं हरदा जिले के 4 मॉडल को पुरस्कृत भी किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंस्पायर अवार्ड योजना संचालित की जाती है। इसी योजना के तहत स्थानीय सांदीपनि कृषि विद्यालय बैतूल बाजार में जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने कहा कि इस प्रकार की विज्ञान प्रदर्शनियों द्वारा छात्रों की प्रतिभा को पहचाना और निखारा जा सकता है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल कुशवाहा ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। हरदा जिले से पधारे हुए जिला विज्ञान अधिकारी श्री योगेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से भविष्य के वैज्ञानिक तैयार होते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक श्री भूपेंद्र बरकड़े ने बताया कि इस क्लस्टर में हरदा जिले के 30 तथा बैतूल जिले के 86 चयनित विद्यार्थियों ने सहयोगिता की। इस अवसर पर चार सदस्य ज्यूरी द्वारा इंस्पायर मानकों का निरीक्षण किया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बैतूल (निप्र)। सत्र 2026-27 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। प्राचार्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के विद्यार्थी सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूलों में कक्षा पांचवी पढ़ रहे हैं जहां जवाहर नवोदय विद्यालय चल रहा है और जिसमें वे प्रवेश चाहते हैं।

इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

सीहोर (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार सीहोर स्थित शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जिले के शासकीय स्कूलों के वर्ष 2023-24 के 33 एवं वर्ष 2024-25 के 44 चयनित आइडिया के आधार पर विज्ञान मॉडल का प्रदर्शन किया गया।

इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए विज्ञान मॉडलों का चयन किया गया, जो कि राज्य स्तर पर सीहोर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला स्तर पर सहभागी सभी प्रतिभागियो तथा विजेता विज्ञान मॉडल के छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर एवं संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर विभिन्न विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, डीपीसी आरआर उइके एवं एपीसी श्री संजय सिंह जादौन ने सभी विद्यार्थियों को जिला स्तर पर विज्ञान मॉडल प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्होंने विज्ञान के तथ्यों को जीवन में भौतिक मूल्यों में समाहित कर शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा दी।

प्रदर्शनी में वर्ष 2023-24 के तहत छात्रा आयुषी ने प्रथम स्थान, छात्र यश सिलोरे ने द्वितीय स्थान तथा छात्रा कुसुम मीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 के तहत छात्रा लक्ष्मी गुर्जर ने प्रथम स्थान, छात्रा कनिष्का श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान, तथा छात्रा दिव्यांशी विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी छात्र छात्राओं के मॉडल को राज्य स्तर के लिए चयनित किया गया है। कार्यक्रम में श्री डॉ रश्मि धाने, डॉ संध्या तिवारी, श्री देवेन्द्र बरबडे, डॉ राजेश बकोरिया, श्री हरीश वारिया सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

राइट क्लिक

कथावाचन को कौशल की नजर से देखें न कि जाति से

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।

संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के दादरपुर गांव में विगत 21 जून को भागवत कथा एक यादव कथावाचक द्वारा किए जाने पर भड़का ब्राहमण यादव विवाद न केवल निंदनीय है बल्कि यह व्यापक हिंदू समसरता की भावना के भी खिलाफ है। कथावाचन जैसे एक धार्मिक आध्यात्मिक कौशल को जाति के जन्मसिद्ध अधिकार में बदलना और किसी एक जाति द्वारा अपनी दबंगई जताने के लिए उसका राजनीतिक दुरूपयोग करना न देशहित में है, न धर्महित में और न ही जाति हित में है। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक इस गांव में कथा वाचक मुकुट मणि यादव और उनके सहयोगी संत सिंह यादव कथा कर रहे थे। शाम को खबर फैली कि दोनों कथावाचक ब्राह्मण न होकर यादव हैं तो कुछ लोगों ने उनके साथ न केवल मारपीट की बल्कि उनके बाल काटे, सिर मुंडवाया और एक महिला के पैरों में नाक रगड़वाई। गोया दोनो ने ब्रह्म हत्या जैसा महापाप किया हो। इस घटना का समर्थन करने वाले ब्राह्मणों का तर्क है कि उन्हें आपत्ति यादवों द्वारा कथा वाचन पर नहीं, बल्कि गलत जाति बता कर कथा बांचने पर है। क्योंकि यह धोखाधड़ी है। उधर बदले में यूपी के कई यादव ब्राह्मणों के खिलाफ एकजुट हो गए। इस विवाद की गूंज बिहार में एक गांव में ब्राह्मणों को बैन करने तक पहुंची तो यूपी में राजनेताओंने इस विवाद की आड़ में ब्राह्मण बनाम यादव की दीवार खड़ी करने में कोताही नहीं की। यही नहीं इस बवाल को यूपी में आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में राजनीतिक हानि-लाभ के गणित के आईने में देखा जाने लगा।

इस निरर्थक विवाद के विरोध और समर्थन से हटकर इसकी गहराई में जाएं तो कुछ संजीदा सवाल उठते हैं। क्या कथावाचन केवल ब्राह्मणों का जन्मसिद्ध अधिकार है? यदि कोई ब्राह्मणेतर व्यक्ति कथा करे तो क्या वह कथा नहीं होगी? क्या उसका पुण्यलाभ माइनस हो जाएगा? वैसे भी कथा वाचन कोई वंशानुगत या जातिकेन्द्रित धार्मिक अनुष्ठान नहीं है। वह वास्तव जनसंचार व लोक प्रबोधन का विलक्षण कौशल है, जिसके मूल में लोगों की धार्मिक-आध्यात्मिक भूख का शमन करना, उन्हें मानसिक शांति देना तथा अपनी बात लाखों लोगों तक सरल, सम्मोहक भाषा में सम्प्रेषित करना है। लोकसंचार का यह जरिया सदियों पुराना है। कई बार इसने सोए, भटके या बेचैन समाज के दिशादर्शन में अहम भूमिका निभाई है। आजकल के कुछ पाखंडी और धूर्त कथावाचकों को छोड़ दे तो एक कुशल वक्ता जो बात अपने तर्कों और तथ्यों के साथ कहता है वहीं कथावाचक लोक कल्याण और आध्यात्मिक मुक्ति की बात पौराणिक प्रसंगों और कथाओं के जरिए कहता है। महाराष्ट्र में यही कथावाचन कीर्तन के रूप में सदियों से समाजिक और राष्ट्रीय जागरण में अहम भूमिका निभाता आया है। यह परंपरा आज भी जारी है। अच्छा कथावाचक बनने के लिए विचारों की सुस्पष्टता, लोकमन की समझ, श्लोकों छंदों की मुखाग्रता, पुराण व शास्त्रों का ज्ञान, नैतिक मूल्यों तथा सत्यान्वेषण की बात सुबोध भाषा में लोगों के मन में उतारने की कलाकारी की दरकार है। इसीलिए ज्यादातर कथावाचक उच्च शिक्षित न होते हुए भी अपनी बात इस अंदाज में कहते हैं, जो आम लोगों तक सहजता से पहुंचती है। इसी कारण कई लोग उनके अंध भक्त तक बन जाते हैं। लेकिन यह कौशल अर्जित करने के लिए किसी जाति विशेष का होना जरूरी नहीं है। अभ्यास, आस्था और समर्पण से कोई भी इसमें निष्णात हो सकता है। फर्क इतना है कि एक जमाने में इस तरह का कथावाचन मुख्यतः धर्मोपदेश और नैतिक आचरण और लोक जागरण के आग्रह तक सीमित था, लेकिन अब उसमें राजनीतिक एजेंडों का रंग भी घुल गया है। अब कथावाचक भी अब राजनेताओं से मान्यता चाहते हैं और बदले में राजनेता कथावाचकों के वोट बैंक को चुनाव में कैश कराना चाहते हैं। संक्षेप में कहें तो धर्माचरण के आग्रह का समागम अब सत्ता संधान की गारंटीड सेल में बदल चुका है। यूपी में उठा ब्राह्मण बनाम यादव कथावाचक विवाद भी इसी का परिणाम है। यह सही है कि एक जमाने में कथावाचकों का समाज में बड़ा आदर था। क्योंकि कथा वाचकों की निष्ठा और संयमित जीवन उनके वचनों को प्रामाणिक बनाता था। बीते कुछ दशकों में कथावाचन और कथा श्रवण का कारोबार एक विशाल धार्मिक आध्यात्मिक कारपोरेट में तब्दील हो चुका है। जब अखिलेश यादव बाबा बागेश्वर धीरेन्द्र शास्त्री पर यह आरोप लगाते हैं कि वो एक कथा का 50 लाख रू. लेते हैं तो इसका आशय यही है कि यह अब भारी मुनाफे का धंधा है। कथा वाचकों की फीस के अलावा जिस विराट पैमाने पर ये आयोजन होते हैं और जिस तरह लाखों लोग उसी बात को बाबा के मुख से सुनने के लिए उमड़ते हैं, जो धर्म पुस्तकों में पहले से लिखी होती है। कुल मिलाकर यह मैन, मनी, शो बिज और स्पिरिच्युअलिटी का जबर्दस्त इवेंट मैनेजमेंट है। आम जनता और खासकर हिंदू समाज ऐसे कथावाचकों को भगवान मानकर पूजता है। उनके श्रीमुख से जो निकला, वो मान लिया। आमतौर पर ये तमाम कथावाचक पौराणिक संदर्भों के साथ समकालीन सामाजिक राजनीतिक विसंगतियों पर भी टिप्पणियां करते रहते हैं। दैनंदिन जीवन के संत्रास से परेशान लोग आध्यात्मिक और भौतिक इलाज के लिए इन कथावाचकों के यहां टूट पड़ते हैं।

यूपी के ब्राहमण-यादव विवाद के संदर्भ में ही देखें तो जहां स्टार कथावाचक धीरेन्द्र शास्त्री कह रहे हैं कि कथावाचन किसी जाति का विशेषाधिकार नहीं हैं तो योग गुरू बाबा रामदेव पूछ रहे हैं कि यदुवंशी भगवान कृष्ण की कथा कोई यादव नहीं करेगा तो कौन करेगा? यह संकीर्ण फार्मूला अगर पांच सौ साल पहले आया होता तो रामचरित मानस की रचना का अधिकार गोस्वामी तुलसीदास को न होकर क्षत्रिय कवि को ही होता। इस संदर्भ में ज्योतिष पीठ के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पहले तो कहा कि भागवत कथा सिर्फ ब्राह्मण बांच सकता है। जब इससे राजनीति गरमाई तो शंकराचार्य ने कहा कि जब कोई सकाम कथा का आयोजन करता है तब कथावाचक का ब्राह्मण होना अनिवार्य है। मगर निष्काम कथा के आयोजन में कोई भी भागवत कथा को सुना सकता है। सकाम और निष्काम की यह नई व्याख्या है। उधर यूपी सरकार में पंचायत मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने कथावाचन को ब्राह्मणों का अधिकार बताते हुए कहा कि यादवों को ओबीसी से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने तो क्षत्रियों को भी बहुत पीछे छोड़ दिया है। आज जितने सेलेब्रिटी कथावाचक हैं, उनमें ज्यादातर ब्राह्मण ही हैं। जैसे कि अनिरुद्धाचार्य (नाम अनिरुद्ध राम तिवारी), देवकीनंदन ठाकुर,पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, पं. प्रदीप मिश्रा तथा जया किशोरी तथा देवी चित्रलेखा। इनके अलावा ब्राह्मणेतर जाति से आने वाले कथावाचकों में संत रामपाल (जाट), भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल (दलित), बाबा रामदेव (यादव) तथा मोरारी बापू (ओबीसी)। कथा वाचक ही क्यों, मंदिरों में पुजारियों को लेकर समाज का दृष्टिकोण धीरे धीरे बदल रहा है। पूर्व में मद्रास हाईकोर्ट व उत्तराखंड हाई कोर्ट ने अपने अलग अलग फैसलों में कहा कि मंदिर का पुजारी ब्राह्मण हो, यह जरूरी नहीं है। कोई भी बन सकता है बशर्ते कि वह धर्मग्रंथों और धार्मिक अनुष्ठानों में निष्णात हो। तात्पर्य यह कि धार्मिक अनुष्ठान भी एक कौशल है, जिसे पूरी मर्यादा और शुद्धि के साथ कोई भी करा सकता है। इस संदर्भ में केरल और महाराष्ट्र ने सामाजिक समसरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। केरल में मंदिरों का प्रबंधन करने वाले त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) ने राज्य में उसके द्वारा संचालित 1 हजार 504 मंदिरों के लिए पुजारियों की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लिए। जिसमें ओबीसी से 36 व दलित समुदाय से 6 उम्मीदवार शामिल थे। इन सभी को धार्मिक अनुष्ठान के कार्य का प्रशिक्षण दिया गया। इसी सिलसिले को तमिलनाडु ने भी आगे बढ़ाया है। जबकि कर्नाटक के मंगलुरू में कदरोली मंदिर में न केवल दलित पुजारी बल्कि विधवा पुजारिने भी हैं। कथा वाचकों की जाति के इस अनंत विवाद से परे सोचें तो दरअसल कथावाचन के पेशेवराना मानदंडों पर अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है। कथावाचन वास्तव में जनप्रबोधन का न केवल प्रभावी माध्यम है, बल्कि वह जनसंचार का उत्कृष्ट जरिया भी है, बशर्ते की उसका सकारात्मक उपयोग हो। होना तो यह चाहिए कि जनसंचार से जुड़े संस्थानो को कथावाचन के कुछ निश्चित मानदंड और उद्देश्य तय उसका पाठ्यक्रम प्रारंभ करना चाहिए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्तमान में इस्कॉन वाले श्रीमद्भागवत कथा का डिप्लोमा कोर्स चलाते हैं।

संपूर्णानंद संस्कृत विवि वाराणसी पुराण प्रवचन प्रवीण नाम से एक सर्टिफिकेट कोर्स कराता है। प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली भी कथावाचक की डिग्री प्रदान करता है। इनके अलावा वृंदावन के गुरुकुलविभिन्न धर्म ग्रंथों का पठन-पाठन कर कथावाचक बनने का प्रशिक्षण देते हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश में कथावाचन की पवित्रता कायम रहती तो शायद इतने विवाद न होते। दुर्भाग्य से अब तो खुद कथावाचक भी उन्हीं भौतिक बुराइयों और दुष्कर्मों के जाल में फंस गए हैं, जिनसे मुक्ति का आह्वान वो अपने अनुयायियों और भक्तो से करते हैं। कथावाचकों का परम लक्ष्य अब ऐहिक बंधनों से मुक्ति न होकर ऐश्वर्य है, धन का, सत्ता का, काम का, अध्यात्म का। आज जेलों में बंद या हवालात की हवा खाए हुए कथित संत और कथावाचक बाबा गुरमीत राम रहीम, आसाराम और उनका बेटा नारायण साई, संत रामपाल, वीरेन्द्र देव दीक्षित, स्वामी भीमानंद, स्वामी नित्यानंद और स्वामी परमानंद जैसों ने कथावाचन की पवित्रता को कलंकित किया है। इन सबके अलावा बेहद जरूरी है अच्छा कथावाचक बनने के लिए अच्छा इंसान बनना। जो अच्छा इंसान नहीं है, उसे तो अच्छा कथावाचक बनने का अधिकार भी नहीं है।

पटना में सनातन महाकुंभ

धीरेंद्र शास्त्री बोले- भगवा-ए-हिंद होना चाहिए

- धर्म पर हमला हुआ तो पलटवार करूंगा ; रामभद्राचार्य ने कहा- बिहार हिन्दू विरोधियों को सत्ता नहीं सौंपेगा

पटना/भोपाल। पटना के गांधी मैदान में पहली बार सनातन महाकुंभ का आयोजन किया गया। आज यानी रविवार को हो रहे इस महाकुंभ में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सनातन का मतलब है हिंसा नहीं अहिंसा है। बिहार के पागलों एक बात गांठ बांध लो, हम सब हिन्दू हैं। कही भाषावाद की लड़ाई चल रही, कही क्षेत्र की, कहीं जाति की। हम सब को याद रखना है कि हिंदू को कटने नहीं देना है और घटने भी नहीं देना है। पत्रकार बंधु सुन लीजिए हम किसी पार्टी के नहीं है, लेकिन जिस पार्टी में हिंदू है हम उस पार्टी के हैं। कितनी भी राजनीति कर लो हम हिन्दू अलग नहीं होंगे। वहीं जगतगुरू राम भद्राचार्य ने कहा कि-वक्फ बोर्ड अब कभी नहीं हटेगा, ये मैं मंच से घोषणा करता हूं। अब यह बिहार हिन्दू विरोधियों को सत्ता नहीं सौंपेगा।

पूरे देश से संत सनातन महाकुंभ में पहुंचे

जगतगुरु श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी (विशाखा शारदा पीठ), जगतगुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ देशभर के साधु-संत जुटे। इसके अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे से हनुमान चालीसा और परशुराम चालीसा की पाठ से की गई।

उमरिया के मरदरी गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप

- एक महिला की मौत, 7 मरीज अस्पताल में भर्ती ; स्वास्थ्य विभाग कर रहा सर्वे

उमरिया (नप्र)। उमरिया जिले के मरदरी गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप सामने आया है। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में एक महिला की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने 7 पीड़ितों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। 50 वर्षीय शांतिबाई प्रति मुनीम की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में रामकली, चन्द्रकली, सुलोचना, श्यामाबाई, मीनाबाई और दो अन्य ग्रामीण शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वी एस चंदेल के अनुसार, गांव में 8 सदस्यीय टीम तैनात की गई है। टीम डोर-टू-डोर सर्वे कर रही है। ग्रामीणों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है। उन्हें उल्टी-दस्त के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य टीम या अस्पताल से संपर्क करने को कहा गया है। चंदेल ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और वे स्वयं पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं।

प्रदेश में कुछ जिलों में बाढ़ के हालात

कटनी में नदी-नाले उफान पर, उमरिया से संपर्क टूटा

बरगी डैम के 9 गेट खुले

शहडोल रेलवे स्टेशन पर भरा पानी, ट्रेनें 4 घंटे लेट

भोपाल (नप्र)। बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से मध्यप्रदेश में बाढ़ के हालात हैं। जबलपुर में बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और बरगी बांध प्रबंधन ने नर्मदा नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। शहडोल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म तक पानी भर गया है। रेलवे ट्रैक पूरी तरह से डूब गया है। इससे ट्रेनें 4 घंटे लेट हुई। कटनी में नदी-नाले उफान पर हैं। उमरिया से संपर्क टूट गया है।

मंडला और डिंडौरी जिलों में हो रही तेज बारिश के चलते इन दिनों नर्मदा नदी उफान पर है। अपस्ट्रीम में नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बरगी बांध में पानी की आवक भी तेजी से हो रही है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध प्रबंधन ने डैम के 9 गेट खोले हैं।

शिवपुरी जिले में पोहरी का पवा झरना 100 फीट की ऊंचाई से गिर रहा है। यहां का भदैया कुंड भी बह रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उमरिया में जोहिला डैम का एक गेट खोला गया है।

कटनी में पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है, उमडार नदी उफान पर

कटनी जिले में लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर है। पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। लोग जान जोखिम में डालकर इसे पार कर रहे हैं। मौसम विभाग ने कटनी जिले में भारी बारिश कि चेतावनी जारी की है। लगातार बारिश से उमडार नदीं उफान पर है। कटनी जिले का उमरिया से संपर्क टूट गया है।

कई इलाकों में तीन फीट तक पानी भरा था

कटनी में साउथ रेलवे स्टेशन के रास्ते पर तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। आर्डिनेंस फैक्ट्रीकर्मियों को लंबा फेरा लगाना पड़ रहा है। कुछ कर्मचारी पानी में से ही निकल रहे हैं।

उमरिया के अमिलिहा गांव में घरों में पानी भरा

उमरिया के अमिलिहा गांव में छोटे लाल यादव के घर में पानी घुस गया। शहडोल से एसडीआरएफ की टीम यहां पहुंची है और परिवार की मदद कर रही है।

3 सिस्टम की वजह से ऐसे हाल: सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि प्रदेश में बारिश के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इनमें दो ट्रफ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। इस वजह से अगले चार दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। यह सीजन का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम है।

शहडोल में रेलवे ट्रैक डूबा, जिला अस्पताल में भरा पानी

शहडोल जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड समेत तीन वार्डों में पानी भर गया है। जिले में 36 घंटे से लगातार तेज बारिश हो रही है।

नाले में बही कार

शहडोल से छत्तीसगढ़ जाने वाला रायपुर-पड़रिया मार्ग बंद हो गया है। यहां पोंडा नाला उफान पर है। नाले में कार बह गई। स्थानीय लोगों ने पानी में कूद कर कार सवारों की जान बचाई।

जबलपुर नर्मदा नदी के निचले इलाकों में अलर्ट

जबलपुर में बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और बरगी बांध प्रबंधन ने नर्मदा नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। मंडला और डिंडौरी जिलों में हो रही तेज बारिश के चलते इन दिनों नर्मदा नदी उफान पर है। अपस्ट्रीम में नर्मदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बरगी बांध में पानी की आवक भी तेजी से हो रही है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध प्रबंधन ने पानी छोड़ने का निर्णय लिया है।

कुबेरेश्वरधाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव शुरु

पं. प्रदीप मिश्रा बोले- शिव को गुरु मानें, जीवन सफल होगा; हजारों श्रद्धालु पहुंचे

सीहोर (नप्र)। सीहोर के कुबेरेश्वरधाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने सोमवार को कथा के दौरान श्रद्धालुओं को शिव भक्ति और जीवन मूल्यों का संदेश दिया।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा, भगवान शिव को गुरु बनाकर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शिव तत्व को एक लोटा जल अर्पण करने से परिवार के सदस्यों को पाप से मुक्ति और पुण्य की प्राप्ति होती है।

किसी को हराने के लिए न जिएं: कथा में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र यह है कि किसी को हराने के लिए प्रयास न करें, बल्कि महादेव को समर्पित होकर हर परीक्षा का सामना करें। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि प्रेम, वात्सल्य, व्यवहार और धर्मकर्म ही जीवन को पूर्ण बनाते हैं। यही शिव भक्ति की सच्ची राह है।

देवराज ब्राह्मण का उदाहरण दिया: उन्होंने कथा में देवराज ब्राह्मण का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे शिव महापुराण की कथा ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। पंडित मिश्रा ने कहा, यदि कोई व्यक्ति मंदिर जाने या शिव भक्ति के लिए प्रेरित करता है, तो वह प्रेरणा भगवान शिव की इच्छा से मिलती है।

बारिश के बावजूद हजारों श्रद्धालु मौजूद: बारिश के दौरान भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर डटे रहे। पंडित मिश्रा ने कहा, गुरु और कथा का उद्देश्य भक्त को भगवान से जोड़ना और सन्मार्ग की ओर ले जाना है।

मैहर में लाइट सुधारते वक्त शख्स को करंट लगा, मौत

- बारिश के दौरान कटे तार के संपर्क में आने से लगा झटका

मैहर (नप्र)। मैहर के रामनगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव में एक शख्स की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक 50 साल का संपत लोनी है। घटना शनिवार रात लगभग 12 बजे की है। इसकी जानकारी तब सामाने आई, जब रविवार दोपहर संपत की लाश पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल लाई गई। हल्की बारिश के दौरान घर की बिजली खराब होने पर संपत उसकी मरम्मत कर रहा था। इस दौरान वह कटे हुए तार के संपर्क में आ गए। तेज करंट के झटके से वह जमीन पर गिर पड़ा तेज आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने संपत को मूर्छित अवस्था में पाया। स्थानीय लोगों ने तुरंत निजी वाहन से उन्हें रामनगर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी रामनगर विजय कुमार परस्ते ने घटना की जानकारी मिली है। पुलिस जांच कर रही है।